Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 231 | सोमवार, 31 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

लखनऊ में 101 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास

राजनाथ सिंह बोले- दुनिया में बढ़ा भारत का कद

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि आज जब भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत कुछ बोलता है तो पूरी दुनिया ध्यान से सुनती है। रक्षा मंत्री ने यहां उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में लखनऊ छावनी को आदर्श छावनी के रूप में विकसित करने के लिए 12 विकास परियोजनाओं का भूमि पूजन और शिलान्यास किया। सिंह ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 10-12 साल पहले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बातों को उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता था, जितनी गंभीरता से लिया जाना चाहिए था।

उन्होंने कहा, ''लेकिन आज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यदि भारत कुछ बोलता है तो सारी दुनिया कान खोलकर सुनती है कि भारत बोल क्या रहा है। यह है भारत की हैसियत और उसका कद।'' रक्षा मंत्री ने अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के विकास में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के योगदान को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, ''लखनऊ की गति और प्रगति को पूरे उत्तर प्रदेश की गति और प्रगति से जोड़कर देखता हूं। मुझे कहने में थोड़ा भी संकोच नहीं है कि इसके विकास में योगी आदित्यनाथ का सबसे बड़ा सहयोग है।'' उन्होंने कहा, ''जब केंद्र और राज्य सरकारों की सोच एक दिशा में चलती है तो विकास की गति कई गुना बढ़ जाती है।

आज 101 करोड़ रुपये की लागत से 12 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया जा रहा है और ये परियोजनाएं लखनऊ छावनी के भविष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हैं।''

रक्षा मंत्री ने कहा कि ये 12 परियोजनाएं एक बेहतर और स्वच्छ छावनी, पर्याप्त जलापूर्ति, बच्चों के बेहतर भविष्य और खेल के बेहतर अवसर का संकल्प हैं। सिंह ने कहा, ''आज भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह बात मैं नहीं, सारी दुनिया कहती है।'' उन्होंने कहा, ''विकसित भारत का अर्थ केवल बड़ी-बड़ी परियोजनाएं और आधुनिक इमारतें नहीं हैं। 'विकसित भारत' का अर्थ है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, घरों तक स्वच्छ पानी पहुंचे और नौजवानों को खेलने तथा अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर मिलें। यही सच्चा विकास है।'' रक्षा मंत्री ने कहा, ''मेरा मानना है कि 'विकसित भारत' की यात्रा बड़े शहरों से शुरू होकर हर मोहल्ले, हर बस्ती और हर परिवार तक पहुंचनी चाहिए। मैं कह सकता हूं कि लखनऊ और उप्र में मुख्यमंत्री इस काम को पूरी लगन और निष्ठा के साथ कर रहे हैं।'' समारोह को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और राज्य मंत्री असीम अरुण ने भी संबोधित किया।

लखनऊ के विकास में सीएम योगी का सबसे बड़ा सहयोग: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ में जो विकास कार्य हुए हैं, उसमें सबसे बड़ा सहयोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का है। उन्होंने वह सब किया, जो कहा था। लखनऊ के हर कार्य में उन्होंने दिल खोलकर सहयोग किया और समय-समय पर समीक्षा भी की। केंद्र व राज्य सरकार की सोच एक दिशा में होने पर विकास की गति स्वाभाविक रूप से कई गुना बढ़ जाती है। रक्षा मंत्री रविवार को मुख्यमंत्री के साथ लखनऊ छावनी के लिए करीब 101 करोड़ रुपये की 12 विकास परियोजनाओं के शिलान्यास एवं भूमि पूजन अवसर पर जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार, रक्षा मंत्रालय और उद्योग जगत

मिलकर विकास के कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। उत्तर प्रदेश विकास और सुशासन के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित करता रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित भारत के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज से 10-12 वर्ष पहले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन आज भारत जब बोलता है तो पूरी दुनिया कान खोलकर सुनती है। विकसित भारत का अर्थ केवल बड़ी परियोजनाएं और आधुनिक इमारतें नहीं, बल्कि इसका मतलब है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, हर परिवार तक स्वच्छ पानी पहुंचे, युवाओं को खेलने और प्रतिभा दिखाने का अवसर मिले और दिव्यांग बच्चों को यह महसूस न हो कि वे समाज से पीछे हैं। विकसित भारत की यात्रा बड़े शहरों से शुरू होकर हर मोहल्ले, बस्ती और परिवार तक पहुंचनी चाहिए। राजनाथ सिंह ने कहा कि समय के साथ शहरों और लोगों की जरूरतें बदलती हैं, इसलिए नियमों में बदलाव भी जरूरी है।

कपिल सिब्बल ने मोहन भागवत पर साधा निशाना: विदेश में बातें और घर में चुप्पी नहीं चलेगी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के अमेरिका में दिए गए ''विविधता में एकता भारत के डीएनए में है'' संबंधी बयान को लेकर रविवार को उन पर निशाना साधा और कहा कि केवल शब्दों से काम नहीं चलता, काम में यह नजर आना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता और निर्दलीय राज्यसभा सदस्य सिब्बल ने भागवत पर तंज करते हुए कहा कि यह 'विदेश में अच्छी बातें' और 'घर में चुप्पी' जैसा मामला है। सिब्बल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' न्यूयॉर्क में भागवत: 'विविधता हमारी स्वाभाविक एकता का आभूषण है। इसे सुरक्षित रखा जाना चाहिए'। विदेश में अच्छी बातें, घर में चुप्पी। शब्द मायने नहीं रखते, काम में नजर आना चाहिए।'' सिब्बल की यह टिप्पणी आरएसएस प्रमुख भागवत के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि विविधता में एकता भारत के डीएनए में है और इसका उत्सव मनाया जाना चाहिए, सम्मानित किया जाना और स्वीकार किया जाना चाहिए। शनिवार को न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन स्थित इन्फोसिस थिएटर में आयोजित एक विशाल कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के 6,000 से अधिक सदस्यों और विभिन्न धर्मों के नेताओं को संबोधित करते हुए भागवत ने विविधता को अपनाने और समुदायों का समर्थन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''जब हम अमेरिका या यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका कहते हैं, तो एक शब्द की अक्सर चर्चा होती है और वह है बहुलतावाद। और जब हम भारत कहते हैं, तो एक और वाक्यांश की चर्चा होती है : विविधता में एकता।'' उनकी इस बात पर वहां उपस्थित लोगों ने तालियां बजाईं। उन्होंने यह बात 'अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग' फोरम द्वारा आयोजित 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा, ''भारत के लिए एकता और विविधता, दोनों उसके डीएनए में हैं।'' उन्होंने स्वामी विवेकानंद के एक संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि हर राष्ट्र के सामने एक लक्ष्य होता है, जिसे उसे पूरा करना होता है और एक नियति होती है, जिसे उसे साकार करना होता है। करीब एक घंटे के अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ''विविधता का उत्सव मनाया जाना चाहिए, उसका सम्मान किया जाना चाहिए और उसे स्वीकार किया जाना चाहिए।

ट्रेन में रखे सूटकेस में पैक थी महिला... अब मणिपुर से पकड़ा गया आरोपी

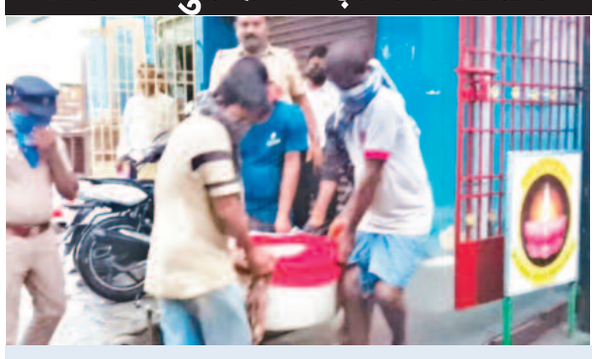

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु एक्सप्रेस आगरा कैंट स्टेशन पहुंची थी। ट्रेन के एक डिब्बे में रखा लाल रंग का सूटकेस यात्रियों के लिए परेशानी की वजह बन रहा था। उसमें से तेज बदबू आ रही थी। पुलिस ने सूटकेस खोला तो अंदर महिला के शव के टुकड़े मिले। सिर गायब था। जांच की कड़ियां जब पीछे की तरफ जोड़ी गईं तो कहानी चेन्नई के गुडुवांचेरी तक पहुंची। अब मुख्य आरोपी मणिपुर से गिरफ्तार कर लिया गया है। 6 अगस्त की तारीख थी। तमिलनाडु एक्सप्रेस अपनी रफ्तार से आगे बढ़ रही थी। ट्रेन के एक अनरिजर्व कोच में यात्रियों के बीच एक लाल रंग का सूटकेस रखा था। शुरूआत में किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया। लेकिन जैसे-जैसे ट्रेन आगे बढ़ी, उस सूटकेस से आने वाली बदबू तेज होती गई। आखिरकार ट्रेन जब आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पहुंची तो यात्रियों ने इसकी शिकायत पुलिस से की। पुलिस मौके पर पहुंची। सूटकेस खोला गया। और उसके अंदर जो मिला, उसे देखकर पुलिसकर्मियों के भी होश उड़ गए। सूटकेस में एक महिला के शव के टुकड़े थे। सिर गायब था। यानी किसी ने हत्या के बाद शव को टुकड़ों में काटा, उन्हें लाल सूटकेस में भरा और फिर उसे तमिलनाडु एक्सप्रेस में छोड़ दिया। पुलिस के सवाल था कि ये महिला कौन थी?

मुख्यमंत्री योगी के एक लाख नौकरी वाले वादे पर अखिलेश यादव का तंज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अगले कुछ महीनों में एक लाख युवाओं को नौकरी दिए जाने के उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हालिया बयान को लेकर रविवार को तंज कसा। उन्होंने कहा कि यह घोषणा विधानसभा चुनावों से कुछ ही महीने पहले की जा रही है, जबकि जल्द ही आचार संहिता लागू होने वाली है। अखिलेश यादव ने यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''अब जब विधानसभा चुनाव में कुछ ही दिन बचे हैं, तो कहा जा रहा है कि एक लाख नौकरियां दी जाएंगी। जनवरी के बाद आचार संहिता लागू हो जाएगी।'' उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की शुरूआत में प्रस्तावित हैं। सपा प्रमुख ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल ने गरीबों को निराश किया है। अखिलेश ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में लोग मंदिरों के बाहर भीख मांगने को मजबूर हैं, वहीं कुछ लोग मंदिरों के अंदर से ही चोरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मंदिरों के बाहर बड़ी संख्या में लोग दान मांगते दिखाई देते हैं, लेकिन कोई भिखारी भी मंदिर के अंदर से चोरी नहीं करता।'' उन्होंने भाजपा को ''अधर्मी'' बताते हुए आरोप लगाया कि पार्टी भगवान को अर्पित किए गए चढ़ावे में भी चोरी कर रही है। अखिलेश ने भाजपा पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा, ''ये मिलावटी लोग हैं।'' उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने ई-20 पेट्रोल को लेकर चल रहे विवाद का जिक्र करते हुए कहा, ''इन मिलावटी लोगों ने तो यहां तक कर दिया कि जिस पेट्रोल का हम इस्तेमाल करते हैं, उसमें भी मिलावट कर रहे हैं।'' अखिलेश ने कहा कि अगर समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में सत्ता में लौटती है तो भाजपा शासन में बंद किए गए 26 हजार प्राथमिक विद्यालयों को फिर से खोला जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल बंद होने का सबसे अधिक असर ''पीडीए'' (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) समुदाय के बच्चों पर पड़ा है।

सपा प्रमुख ने कहा, ''वे (भाजपा)

'क्या आप कहीं के लॉर्ड हैं?', बॉम्बे हाईकोर्ट ने एफडीए को लगाई फटकार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दो मामलों में बॉम्बे हाई कोर्ट ने एफडीए को फटकार लगाई है। कोर्ट ने एफडीए के रवैये को मनमाना बताते हुए उसे फटकार लगाई है। हालांकि कोर्ट की फटकार के बाद एफडीए ने अपना सस्पेंशन ऑर्डर वापस लेने पर सहमति जताई है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र एफडीए को दो मामलों में उसके 'मनमाने रवैये' के लिए फटकार लगाई है। कोर्ट की फटकार के बाद एफडीए ने दोनों मामलों में अपने आदेश को वापस लेने पर सहमति जताई है। दरअसल, कोर्ट के सामने दो मामले आए थे। जिसमें उन्होंने एफडीए को फटकार लगाई है। पहले मामले में, बेंच ने रेगुलेटरी बॉडी को जल्दीबाजी में कार्रवाई करने पर फटकार लगाई है। दरअसल, कुछ दिनों पहले एफडीए ने पुणे वेयरहाउस में सिप्ला फार्मा के होलसेल ड्रग लाइसेंस को रद्द कर दिया था। यह कार्रवाई पैकेजिंग में कथित गड़बड़ियों का हवाला देते हुए की गई थी। इस मामले में 26 अगस्त को पर्सनल हियरिंग तय की गई थी। सिप्ला ने सार्वजनिक छुट्टी होने के कारण सुनवाई को टालने का अनुरोध करने के लिए एक कर्मचारी को भेजा। लेकिन समय देने की बजाय एफडीए ने कैंसिलेशन का अंतिम आदेश दे दिया। एक्टिंग चीफ जस्टिस रवींद्र घुगे और जस्टिस गौतम अंखाड की खंडपीठ ने एफडीए से सवाल किया, 'हम न्याय और निष्पक्षता बनाए रखने का प्रयास करते हैं।

गांव में पहली बार पहुंचाया पानी, लेखपाल से कहा जेल भेज दूंगी... वो बयान जिनसे चर्चा में आईं दिव्या मित्तल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। आईआईटी दिल्ली और आईआईएम बेंगलुरु से पढ़ीं 2013 बैच की आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल के इस्तीफे ने प्रशासनिक गलियारों में हलचल मचा दी है। दिव्या मित्तल से पहले उनके पति और पूर्व आईएस अधिकारी गगनदीप सिंह भी 2022 में नौकरी से इस्तीफा दे चुके हैं। दिव्या के पति गगनदीप सिंह 2011 बैच के भारतीय व्यापार सेवा अफसर रह चुके हैं। अब गगनदीप ने अपनी एक कंपनी न्यूरोकैप बनाई है। यह कंपनी देश-विदेश से ट्रेडिंग का काम करती है। दिव्या मित्तल उत्तर प्रदेश की मिजार्पुर, बस्ती और देवरिया की डीएम रह चुकी हैं। वह बेहद सख्त छवि की अधिकारी मानी जाती हैं और गलतियों के लिए अफसरों को मौके पर ही फटकार लगा देती थीं।

करीब 4 महीने पहले ही आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल का देवरिया से ट्रांसफर लखनऊ हुआ था। डीएम के बाद उन्हें लखनऊ में राजस्व विभाग में विशेष सचिव के रूप में रखा गया था। इस पद को बहुत हल्का और साइडलाइन माना जाता है। आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल यूपी के मिजार्पुर में डीएम रहने के दौरान बहुत पॉपुलर रहीं हैं। उन्होंने मिजार्पुर के लहुरियादह गांव में पहली बार पानी पहुंचाया। यह उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। इस गांव का जिक्र उन्होंने इस्तीफे के बाद लिखी पोस्ट में भी किया है। लहुरियादह गांव में जल प्रोजेक्ट के उद्घाटन और श्रेय को लेकर केंद्रीय मंत्री व स्थानीय सांसद अनुप्रिया पटेल के खेमे की नाराजगी की खबरें सामने आई थीं। आरोप था कि कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की अनदेखी की गई। इसके ठीक बाद, 1 सितंबर को दिव्या मित्तल का तबादला कर दिया गया। उनकी विदाई का पल बेहद भावुक रहा, जब स्थानीय लोगों ने उन पर फूलों की बारिश की। इस विदाई समारोह में रोती हुईं दिव्या भावुक हो गई थीं। इसका वीडियो खूब वायरल हुआ था। दिव्या मित्तल दो साल तक देवरिया की डीएम रहीं। इसी दौरान भाजपा सांसद शशांक मणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में 3 जुलाई 2025 को दिशा समिति की बैठक हुई। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग का मुद्दा उठाया। जिस पर दिव्या ने जनप्रतिनिधियों से कहा- अधिकारियों और कर्मचारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग के लिए प्रशासन पर दबाव नहीं बनाया जाना चाहिए। इसके जवाब में यूपी के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा था- ऐसा कोई सरकारी आदेश नहीं है कि अधिकारी जनप्रतिनिधियों की बात न सुनें। देवरिया से भाजपा विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा था- जनप्रतिनिधियों को अधिकारियों से जीओ समझने की जरूरत नहीं है। अगर जनता की शिकायतें उनके पास आती हैं तो वे सवाल जरूर पूछेंगे। इसके बाद से देवरिया में दिव्या मित्तल और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के बीच तनातनी की खबरें आई थीं। जनप्रतिनिधियों ने उनकी सरकार से शिकायतें की थी। जिसके कुछ महीने बाद उन्हें देवरिया से हटाकर साइडलाइन कर दिया गया था। देवरिया में डीएम रहने के दौरान दिव्या मित्तल कई बार चर्चा में आ चुकी हैं। उन्होंने पुल निर्माण में लापरवाही को लेकर PWD के अधिकारी को फटकार लगाई थी। इस दौरान अऊट ने तेज धूप की बात कहते हुए उन्हें छांव में बैठने का निवेदन किया।

'देश को बांटना बंद कीजिए', राहुल गांधी के दावे पर प्रदीप भंडारी का फैक्ट चेक

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा चाय की दुकानों पर जाति के आधार पर अलग-अलग कप में चाय दिए जाने के दावे ने देश में सियासत में गर्माहट तेज कर दी है। ऐसे में अब कांग्रेस के इस सनसनीखेज आरोप पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने दिल्ली के कनॉट प्लेस में एक चाय की टपरी पर पहुंचकर 'ग्राउंड जीरो' फैक्ट चेक किया और इसका वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और इंस्टाग्राम पर शेयर भी किया। बता दें कि प्रदीप भंडारी की तरफ से जारी किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे दुकानदार ने राहुल के दावे को सिरे से खारिज करते हुए सच्चाई बयां की, जिससे सियासत और गरमा गई है। तेज होती सियासत के बाद सच्चाई परखने के लिए भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी नई दिल्ली के मशहूर कनॉट प्लेस इलाके में पहुंचे। उन्होंने वहां 'मोनू गौतम' नाम के एक चाय दुकानदार से मुलाकात की, जो खुद अनुसूचित जाति (रउ) समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। प्रदीप भंडारी ने इस पूरी बातचीत का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' और इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। वीडियो में पहले भंडारी ने राहुल गांधी के दावे का क्लिप भी लगाया। इसके बाद भाजपा प्रवक्ता ने चाय वाले से सीधे और स्पष्ट सवाल किए।

संपादक की कलम से

ईरान बनाम अफगानिस्तान

इस्लामी जीवन पद्धति और कानूनी व्यवस्था को 'शरिया' कहते हैं। शरिया में इबादत,खान-पान,पहनावा, व्यापार, विवाह, तलाक,विरासत, अपराध और सजा जैसे जीवन के तमाम पहलू शामिल हैं। इसके द्वारा कुरान , सुन्नत,हदीस ,इज्मा व कयास जैसे पुराने स्थापित नियमों के आधार पर नए जमाने की समस्याओं का हल निकालने का दावा किया जाता है। परन्तु आज के आधुनिक दौर में सऊदी अरब,अफगानिस्तान व ईरान जैसे देशों में जहां शरिया को देश के मुख्य संविधान और आपराधिक कानून के रूप में लागू किया गया है वहीं भारत, पाकिस्तान,मिस्र और इंडोनेशिया जैसे देशों में शरिया केवल 'पर्सनल लॉ' विवाह, तलाक , संपत्ति तक ही सीमित है,जबकि इन्हीं देशों में अपराधिक मामलों के लिए देश का धर्मनिरपेक्ष कानून लागू होता है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार व संगठन शरिया के नाम पर अत्यंत रूढ़िवादी और कबीलाई व्याख्या लागू करती है। जबकि पाकिस्तान में भी शरिया कानून पूरी तरह लागू नहीं है, बल्कि वहाँ एक 'हाइब्रिड' या मिश्रित कानूनी प्रणाली काम करती है। जिसमें ब्रिटिश काल के धर्मनिरपेक्ष सामान्य कानून और इस्लामी शरिया कानून दोनों का मिश्रण है।

ललित शर्मा
संपादक

सवाल यह है कि जब इस्लाम धर्म का कलमा एक,कुरआन एक,रसूल एक नमाज,रोजा हज,जकात सब एक तो इस्लामी देशों में ही शरिया कानून की व्याख्या अलग अलग क्यों ? और यदि अलग है तो इसमें सही कौन और गलत कौन ? और दुनिया किस शरिया व्यवस्था को सही व इस्लामी शरिया के रूप में देखे ? इसी सन्दर्भ में केवल ईरान व अफगानिस्तान में लागू शरिया कानून व इसके अंतर्गत दोनों देशों में महिलाओं की स्थिति व उनपर पड़ने वाले प्रभाव का जायजा लेने की कोशिश करते हैं। अफगानिस्तान में तालिबान शासन के दौरान गत पांच वर्षों में वहां की महिलाओं की स्थिति को लेकर जो रिपोर्ट्स संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न वैश्विक मानवाधिकार संगठनों द्वारा तैयार की गयी है उसके मुताबिक वहाँ महिलाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार अफगानिस्तान में महिलाओं को सार्वजनिक जीवन से पूरी तरह मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। अफगानिस्तान दुनिया का एकमात्र देश है जहां लड़कियों की माध्यमिक और उच्च शिक्षा आधिकारिक रूप से प्रतिबंधित है। यहाँ कक्षा 6 से आगे लड़कियों के स्कूल जाने और महिलाओं के विश्वविद्यालय जाने पर पूरी तरह रोक है। तालिबान ने विश्वविद्यालयों से महिलाओं से जुड़े 18 कोर्स हटा दिए हैं और महिलाओं द्वारा लिखी गई लगभग 140 किताबों को भी प्रतिबंधित कर दिया है। ऐसी ही सख्त पाबंदियों के चलते अब अफगानिस्तान में केवल 7% महिलाएँ ही रोजगार में बची हैं। यहां महिलाओं को गैर-सरकारी संगठनों, सरकारी मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्रों में काम करने से रोक दिया गया है। ब्यूटी पार्लर्स को भी पूरी तरह बंद कर दिया गया है, जिससे लाखों महिलाओं की कमाई का जरीया छिन गया। नए तालिबानी कानून और क्रिमिनल कोड वर्ष 2026 में तालिबान के सुप्रीम लीडर हिबतुल्लाह अखुनजादा द्वारा हस्ताक्षरित 90 पन्नों की नई दंड संहिता ने महिलाओं की स्थिति को दासों जैसा बना दिया है। इस नए कानून के तहत पति को अपनी पत्नी या बेटी को शारीरिक सजा देने यानी उसे पीटने की अनुमति है, बशर्ते कि महिला की कोई हड्डी न टूटे या शरीर पर गहरा खुला घाव न दिखाई दे । अफगानिस्तान में यदि कोई महिला अदालत जाना चाहती है, तो उसे पूरी तरह ढके होकर अपने उसी पुरुष अभिभावक,पति या भाई के साथ आना होगा, जिसने उस पर अत्याचार किया है। महिलाओं से तलाक का अधिकार छीन लिया गया है, जबकि बाल विवाह को बढ़ावा देने वाले नियमों को कड़ा किया गया है। महिलाएँ बिना किसी पुरुष रिश्तेदार के घर से बाहर लंबी दूरी की यात्रा व सार्वजनिक परिवहन का उपयोग नहीं कर सकतीं।

राख और धुएँ में तब्दील होता अमानवीय अहंकार

एनके शर्मा
लेखक

मनुष्य ने सभ्यता के हजारों वर्षों के सफर में विज्ञान, तकनीक और ज्ञान की ऐसी ऊँचाइयाँ छुई हैं, जिनकी कल्पना कभी देवताओं की शक्ति से की जाती थी। उसने अंतरिक्ष को माप लिया, समुद्र की गहराइयों को छान लिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जन्म दे दिया और ऐसी मिसाइलें बना लीं जो कुछ ही मिनटों में हजारों किलोमीटर दूर स्थित शहर को मलबे में बदल सकती हैं। लेकिन इस तमाम उपलब्धियों के बीच एक प्रश्न आज भी मनुष्य का पीछा कर रहा है–क्या विज्ञान ने मनुष्य को वास्तव में सभ्य बनाया है?

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध, पश्चिमी शक्तियों की रणनीतिक प्रतिस्पर्धा, अमेरिका की वैश्विक भूमिका, इजराइल और उसके आसपास का रक्तरंजित संघर्ष तथा भूमध्यसागर और यूरोप में बढ़ते सामरिक तनाव इस प्रश्न को और भयावह बना रहे हैं। दुनिया के अलग-अलग भूभागों में जलती हुई बस्तियाँ, ध्वस्त अस्पताल, अनाथ होते बच्चे और भय से कांपते नागरिक हमें बता रहे हैं कि आधुनिक युद्ध अब केवल सैनिकों के बीच संघर्ष नहीं रहा; वह पूरी मानव सभ्यता के विरुद्ध एक सामूहिक संकट बनता जा रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण है। फरवरी 2022 में शुरू हुआ पूर्ण पैमाने का रूसी आक्रमण आज भी समाप्त नहीं हुआ है। हाल के दिनों में यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन हमले जारी रहे हैं और नागरिकों की मृत्यु तथा महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे की तबाही लगातार सामने आ रही है। संयुक्त राष्ट्र से जुड़े आंकड़ों के अनुसार जुलाई 2026 में यूक्रेन में रूसी हमलों से नागरिक हताहतों की संख्या में गंभीर वृद्धि हुई। यह केवल रूस और यूक्रेन की त्रासदी नहीं है। यह उस विश्व व्यवस्था की विफलता का आईना है, जो दो विश्वयुद्धों की विभीषिका के बाद यह संकल्प लेकर बनी थी कि विवादों का समाधान युद्ध के बजाय संवाद और कूटनीति से किया जाएगा। विडंबना देखिए–एक ओर विश्व शांति के लिए संस्थाएँ बनीं, दूसरी ओर हथियारों का बाजार लगातार फैलता गया। स्वदफक के अनुसार 2025 में वैश्विक सैन्य व्यय लगभग 2.9 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच गया और यूरोप के सैन्य खर्च में एक वर्ष में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रूस और यूक्रेन दोनों का सैन्य व्यय भी अत्यंत ऊँचे स्तर पर पहुँचा। युद्ध की अर्थव्यवस्था का सबसे भयावह पक्ष यही है कि बंदूक बनाने वाले उद्योग के लिए युद्ध बाजार हो सकता है, लेकिन सामान्य मनुष्य के लिए युद्ध हमेशा विनाश होता है। एक सैनिक की मृत्यु केवल एक सैनिक की मृत्यु नहीं होती। उसके पीछे एक परिवार होता है, माता-पिता होते हैं, बच्चे होते हैं, सपने होते हैं। एक मिसाइल जब किसी आवासीय इमारत को गिराती है तो केवल ईंट और सीमेंट नहीं टूटते–किसी की पूरी जिंदगी मलबे में दब जाती है। और जब युद्ध का दायरा परमाणु शक्तियों के बीच तनाव तक पहुँचता है, तब खतरा किसी एक देश की सीमा तक सीमित नहीं रहता। जापोरिजिझया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के आसपास सैन्य गतिविधियों और बाहरी बिजली आपूर्ति बाधित होने की हालिया स्थिति इस बात की गंभीर याद दिलाती है कि युद्ध की एक छोटी-सी रणनीतिक भूल भी कितनी बड़ी मानवीय आपदा को जन्म दे सकती है। कअएअ के अनुसार संयंत्र को आपातकालीन डीजल जनरेटर पर निर्भर रहना पड़ा और परमाणु सुरक्षा के लिए बाहरी बिजली की बहाली अत्यंत आवश्यक बनी हुई है। कल्पना कीजिए–यदि किसी युद्ध के दौरान कोई परमाणु संयंत्र क्षतिग्रस्त हो जाए, कोई मिसाइल गलत लक्ष्य पर गिर जाए या किसी परमाणु शक्ति को यह भ्रम हो जाए कि उसके अस्तित्व पर हमला हो रहा है, तो क्या होगा? उस क्षण कोई विजेता नहीं होगा। केवल राख होगी। केवल धुआँ होगा। और इतिहास की किताबों में दर्ज होगा कि मनुष्य अपनी बुद्धिमत्ता के शिखर पर पहुँचकर भी अपने अहंकार को नियंत्रित नहीं कर सका। मध्य-पूर्व की परिस्थितियाँ भी इसी चेतावनी को और गहरा करती हैं। इजराइल और फिलिस्तीन का संघर्ष दशकों से राजनीतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक और सुरक्षा संबंधी प्रश्नों के जटिल जाल में उलझा हुआ है। लेकिन जब किसी संघर्ष में बच्चों की सुरक्षा, अस्पतालों की कार्यक्षमता, भोजन, पानी और आश्रय जैसे मूल मानवीय अधिकार ही संकट में पड़ जाएँ, तब रणनीतिक विजय की भाषा अपनी नैतिकता खो देती है। अमेरिका की वैश्विक भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य और आर्थिक शक्तियों में से एक होने के कारण अमेरिका की विदेश नीति का प्रभाव किसी एक महाद्वीप तक सीमित नहीं रहता। हथियार, आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य सहायता, कूटनीतिक दबाव और गठबंधन–ये सभी किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष को व्यापक भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में बदल सकते हैं। इसी प्रकार रूस केवल एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं है। वह परमाणु क्षमता से संपन्न देश है। इसलिए रूस और पश्चिम के बीच बढ़ता तनाव दुनिया को ऐसी स्थिति में पहुँचा सकता है जहाँ गलत आकलन का मूल्य पूरी मानवता को चुकाना पड़े। यूरोप में बढ़ता सैन्यीकरण इसी चिंता का संकेत है। युद्ध जितना लंबा चलता है, उतना ही अधिक धन हथियारों में जाता है, उतना ही अधिक संसाधन शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक विकास से हटकर सुरक्षा पर खर्च होते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने भी चेताया है कि यदि सैन्य खर्च की वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही तो आने वाले वर्षों में वैश्विक सैन्य व्यय अभूतपूर्व स्तर तक पहुँच सकता है। युद्ध का एक और अदृश्य शिकार है–मानव मन। जो बच्चा बमों की आवाज सुनकर बड़ा होता है, उसके भीतर शांति की कल्पना भी भय के साथ जुड़ सकती है। जो परिवार वर्षों तक विस्थापन में जीता है, उसके लिए घर केवल चार दीवारें नहीं बल्कि खोई हुई स्मृतियों का नाम बन जाता है। युद्ध समाप्त होने के बाद भी युद्ध मनुष्य के भीतर लंबे समय तक जीवित रहता है। सबसे खतरनाक स्थिति तब पैदा होती है जब राष्ट्र अपने राजनीतिक अहंकार को राष्ट्रीय सम्मान का नाम देने लगते हैं। सत्ता अपने निर्णयों को इतिहास की आवश्यकता बताती है और जनता से बलिदान मांगती है। लेकिन इतिहास का सबसे कठोर सत्य यही है कि युद्ध शुरू करने वाले नेता अक्सर इतिहास की किताबों में कुछ पृष्ठ पाते हैं, जबकि युद्ध में मरने वाले लाखों सामान्य लोग उन किताबों में केवल आँकड़े बनकर रह जाते हैं। आज दुनिया को नेताओं से शक्ति प्रदर्शन नहीं, शक्ति-संयम चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की नहीं कि किसके पास अधिक मिसाइलें हैं; आवश्यकता इस बात की है कि किसके पास युद्ध रोकने की अधिक राजनीतिक इच्छाशक्ति है। रूस को यूक्रेन के प्रश्न का समाधान अंतहीन सैन्य संघर्ष में नहीं, वास्तविक कूटनीतिक संवाद में तलाशना होगा। यूक्रेन की सुरक्षा और संप्रभुता की गारंटी के साथ ऐसी राजनीतिक व्यवस्था बनानी होगी जिसमें युद्ध विराम केवल कागज पर नहीं, जमीन पर दिखाई दे। अमेरिका और यूरोप को भी अपनी सामरिक प्राथमिकताओं के साथ-साथ उस कूटनीतिक रास्ते को मजबूत करना होगा जो युद्ध के स्थायी समाधान की ओर ले जाए। इजराइल और फिलिस्तीन के संदर्भ में भी सुरक्षा और न्याय को एक-दूसरे का विरोधी मानने की भूल समाप्त करनी होगी। किसी एक समुदाय की सुरक्षा दूसरे समुदाय की असुरक्षा पर स्थायी रूप से निर्मित नहीं हो सकती। और दुनिया के लिए सबसे बड़ा संदेश यह है कि परमाणु हथियार सुरक्षा का अंतिम उत्तर नहीं हैं। वे अंतिम चेतावनी हैं। आज मानवता को यह तय करना होगा कि वह इतिहास की अगली सदी में स्कूल बनाएगी या बंकर; अस्पताल बनाएगी या मिसाइल कारखाने; पुल बनाएगी या युद्धभूमियाँ। क्योंकि अंततः युद्ध में कोई सचमुच नहीं जीतता। विजेता की राजधानी में भी मातम पहुँचता है। हारने वाले देश में भी सपने मरते हैं। अर्थव्यवस्था टूटती है, पीढ़ियाँ विस्थापित होती हैं और प्रकृति तक युद्ध का दंश झेलती है। मनुष्य का अहंकार जब सत्ता, राष्ट्रवाद और सैन्य शक्ति के मद में अंधा हो जाता है तो उसे लगता है कि वह इतिहास लिख रहा है। लेकिन इतिहास अक्सर उससे कहीं अधिक कठोर होता है। वह बताता है कि जिन लोगों ने अपने अहंकार के लिए शहर जलाए, अंततः उनके नाम भी उसी राख और धुएँ में खो गए जिसे उन्होंने दूसरों के लिए तैयार किया था। आज दुनिया एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। एक रास्ता हथियारों की होड़, प्रतिशोध, सामरिक अहंकार और अंतहीन युद्ध की ओर जाता है। दूसरा रास्ता संवाद, संयम, न्याय और मानवीय गरिमा की ओर। पहले रास्ते के अंत में शायद कोई झंडा खड़ा रह जाए, लेकिन मनुष्य नहीं। दूसरे रास्ते पर कठिन समझौते होंगे, राजनीतिक पराजय का भय होगा और तत्काल विजय का आकर्षण नहीं होगा–लेकिन भविष्य की पीढ़ियाँ जीवित रहेंगी। इसलिए समय की सबसे बड़ी पुकार यही है–अहंकार को युद्धभूमि पर विजय का प्रतीक मत बनने दीजिए। क्योंकि जब अहंकार बारूद से मिलता है, तो परिणाम केवल शत्रु की हार नहीं होता; वह पूरी मानवता की राख और धुएँ में बदल जाने की संभावना बन जाता है।

आत्मकथा का सच प्रमाण मांग सकता है, अनुमति नहीं

प्रो. आरके जैन
लेखक

कुछ अनुभव उम्र के साथ धुंधले नहीं पड़ते, भीतर और गहरे उतरते हैं। मनुष्य उन्हें उसी नजर से लिखता है, जिस नजर से उसने जिया। सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' पर उठी बहस इसी अधिकार की सीमा का सवाल है। कांग्रेस का आरोप है कि पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने मोदी, आरएसएस और चीन की सीमा से जुड़े अंश हटाने या बदलने को कहा। प्रकाशक का कहना है कि वह भारत में इस किताब का प्रकाशक नहीं है और तथ्य-जांच व संपादकीय सुझाव सामान्य प्रक्रिया हैं। दावे अलग हैं, लेकिन भारत में किताब का प्रकाशन फिलहाल रुका है। सवाल है–क्या लेखक की अपनी स्मृतियों को ऐसी कसौटी पर कसा जाना चाहिए, जो उसकी दृष्टि को अधूरा कर दे?

संपादन की कैंची तथ्य पर चलनी चाहिए, स्मृति पर नहीं। प्रकाशक को संदर्भों की शुद्धता, तथ्यों की पड़ताल और कानूनी जोखिमों की जांच का पूरा अधिकार है। लेकिन आत्मकथा सरकारी फाइल का पुनर्लेखन नहीं, बल्कि जीवन को भीतर से देखी गई आंखों का बयान है। सोनिया गांधी ने मोदी से मुलाकातों, आरएसएस और चीन की सीमा से जुड़े प्रसंगों को जिस नजर से देखा, वह उनकी अपनी अनुभूति है। पाठक उसे अंतिम सत्य नहीं, एक व्यक्ति की गवाही मानकर पढ़ता है। तथ्य गलत हों तो सुधारे जाएं, संदर्भ अधूरे हों तो पूरे किए जाएं; पर केवल असुविधाजनक दृष्टि को हटा देना संपादन की सीमा से बाहर है। इतिहास की स्याही सिर्फ घटनाएं नहीं, उन्हें देखने वाली आंखें भी दर्ज करती है। गांधी की डायरियां, नेहरू की आत्मकथा और इंदिरा गांधी के पत्र इसलिए मूल्यवान हैं कि उनमें समय की धड़कन और लेखक की निजी दृष्टि साथ है। सीमाएं थीं, फिर भी यही अपूर्णता उन्हें जीवंत बनाती है। आत्मकथा का अर्थ अपने अनुभव को अपनी नजर से दर्ज करना है। ऐसे में पेंगुइन का कहना कि वह पुस्तक प्रकाशित करना चाहता था, पर सहमति नहीं बनी, सवाल छोड़ता है। 'इच्छा' और 'सहमति' के बीच कितनी दूरी हो कि लेखक की स्मृतियां भी संपादन के दायरे में आ जाएं? तथ्य-जांच प्रकाशक का अधिकार और दायित्व है, लेकिन लेखक की दृष्टि बची रहे–यह भी जरूरी है। राजनीति की बहस अक्सर अपनी-अपनी सुविधा का आईना लेकर शुरू होती है। कांग्रेस इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रश्न मानती है, जबकि भाजपा राजनीतिक दावों की तथ्य-जांच को जरूरी ठहरा सकती है। दोनों तर्कों में वजन है। लेकिन असली कसौटी दल नहीं, पाठक होना चाहिए। आत्मकथा न अंतिम सत्य है, न केवल इसलिए संदिग्ध कि लेखक राजनीति में रहा है। संस्मरण को प्रमाण से अलग पहचानने की समझ पाठक में है। उसे सहमत होने जितना ही असहमत होने का अधिकार भी है। लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि असहमति का जवाब शब्दों से दिया जाए, शब्दों को रोककर नहीं। किसी किताब की सबसे बड़ी परीक्षा उसके शब्द नहीं, उन्हें सुनने का समाज का साहस होता है। सोनिया गांधी की पुस्तक का सरोकार भारत की राजनीति और समाज से है, फिर भी उसके कुछ अंशों को लेकर भारत में ही अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है, जबकि वही सामग्री दुनिया के दूसरे हिस्सों में सामने आ सकती है। अंतरराष्ट्रीय संस्करण अल्फ्रेड ए. नॉफ (पेंगुइन रैंडम हाउस) से 10 नवंबर 2026 को प्रकाशित होगा और उसमें विवादित अंश रहने की संभावना है। भारत में हार्परकॉलिन्स समेत अन्य प्रकाशकों से बातचीत जारी है। इससे सवाल उठना स्वाभाविक है। किसी तथ्य पर संदेह हो तो प्रमाण से जवाब दिया जा सकता है, किसी दृष्टिकोण से असहमति हो तो दूसरा दृष्टिकोण रखा जा सकता है। पन्ने हटाने से बहस मिटती नहीं, अक्सर और गहरी होती है। बेहतर रास्ता यही है कि पाठक को पूरी बात देखने और अपना निष्कर्ष चुनने दिया जाए। लोकतंत्र आखिर नागरिकों की समझ पर भरोसे से ही मजबूत होता है। बीता हुआ समय किसी आदेश से अपना अर्थ नहीं बदलता। जो किसी ने जिया, उसकी स्मृति में वह उसी की अनुभूति के साथ बचा रहता है; इतिहासकार बाद में उसी घटना को दूसरे स्रोतों और दूसरी नजर से परख सकता है। दोनों सच अपने-अपने स्थान पर रह सकते हैं–यही इतिहास की जटिलता है। इसलिए आज जिन पन्नों पर बहस है, वे कल केवल सोनिया गांधी की यादें नहीं होंगे; वे 2026 के राजनीतिक माहौल की एक झलक भी देंगे। आने वाली पीढ़ियां शायद यह भी देखेंगी कि उस समय भारत अपने अतीत को कैसे याद करता था, किन शब्दों पर ठहरकर सोचता था और किन स्मृतियों को सार्वजनिक करने में कितना संकोच करता था। इस बहस की मंजिल किसी पक्ष की जीत नहीं, सही सीमा-रेखा तय करना है। प्रकाशक तथ्य और संदर्भ जांचे, लेखक अपने कथनों की जिम्मेदारी उठाए और पाठक को पूरी सामग्री परखने का अवसर मिले। मोदी से जुड़ा प्रसंग हो, आरएसएस पर दृष्टिकोण या चीन की सीमा संबंधी उल्लेख–तथ्य हो तो प्रमाण सामने आए, निजी अनुभव हो तो उसे उसी रूप में समझा जाए। लोकतंत्र में असहमति का उत्तर शब्द मिटाकर नहीं, बेहतर तथ्य और मजबूत तर्क देकर दिया जाता है। यही रास्ता लेखकीय स्वतंत्रता को भी बचाता है और बहस की गरिमा को भी। किताब की अंतिम कसौटी उसका छपना नहीं, उसे पढ़ने वाला समाज है।

ऊपरवाला जब हिसाब करेगा

किशन भावनानीं

कविता

ऊपरवाला जब खाता खोलेगा,
दिखावा नहीं,कर्म देखेगा।
कितने तीर्थ गए,नहीं देखेगा,
किसका दिल दुखाया,देखेगा।

केदारनाथ गए कितनी बार,
हरिद्वार गए कितनी बार,
मंदिरों का हिसाब नहीं होगा,
रिश्तों का हिसाब होगा।

किस रिश्ते में चाल चली,
किसके विश्वास को तोड़ा,
कितनों की आँखें नम कीं,
कितनों का दिल तोड़ा।

माथे का तिलक नहीं देखेगा,
हाथ की माला नहीं देखेगा,
हमारी नीयत और व्यवहार देखेगा,
हमारा इंसान होना देखेगा।

इसलिए रिश्ते सच्चे रखना,
किशन किसी का दिल मत दुखाना।
ईश्वर को खुश करना है तो,
पहले इंसानियत निभाना।

त्योहार

श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव विशेषः जानिए भगवान श्री कृष्ण की दिव्य लीलाओं में निहित आध्यात्मिक संदेश

प्रो. आरके जैन
लेखक

उस युग का सर्वाधिक तमग्रस्त काल था वह। पापाचार चरम सीमा पर था। श्रीमद्भागवत के एक रूपक के अनुसार उस समय सहस्रों दैत्य राजाओं का रूप धरकर पृथ्वी को आक्रान्त कर रहे थे। इनके दुर्दान्त अत्याचारों से पृथ्वी भयाक्रान्त थी। वे गौ रूप धारण कर करुण स्वर में रंभा रही थी। इस करुण क्रंदन को सृष्टि के पालनहार कैसे अनसुना कर सकते थे? अतः वे असीम परम सत्ता ससीम मानवीय चोले में सिमट कर इस धरा पर उतर आई। मानों अज्ञानरूप अंधकार को चीरता हुआ ज्ञान रूपी पूर्ण चन्द्रमा द्वापर युगीन नभ में उदित हुआ। यह अतिशुभ घड़ी थी, भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी की अर्धरात्रि और यह अवतारी युगपुरुष थे-पुरुषोत्तम भगवान श्री कृष्ण!

श्री कृष्ण, एक ऐसा अलौकिक व्यक्तित्व जिसे किसी एक परिभाषा से चित्रित ही नहीं किया जा सकता। ये ही तो हैं जिन्होंने संसार में एक ओर तो गोप-गोपिकाओं के माध्यम से प्रेम-भक्ति-विरह की सरस धारा प्रवाहित की, वहीं दूसरी ओर समस्त उपनिषदों को दुहकर गीता रूपी दुग्धामृत अर्जुन के निमित्त से सम्पूर्ण मानव जाति को दिया। माधुर्यपूर्ण प्रेम और धर्म सम्मत ज्ञान का अद्भुत सम्मिश्रण! यही श्री कृष्ण हैं।

इस लीलाधर ने अपने अवतरण काल में अनेकानेक दिव्य लीलाएँ की। ब्रज की कुंज गलियाँ, कंस के अत्याचारों से त्रस्त मथुरा भूमि, कुरुक्षेत्र का महा समरांगण - हर क्षेत्र में इनकी अलौकिक लीलाओं का प्रकाश जगमगाया। ये दिव्य क्रीड़ाएँ तत्समय तो सप्रयोजन थी हीं, आज युगोपरान्त भी हमारे लिए प्रेरणा दीप हैं। साधारण प्रतीत होते हुए भी असाधारण संदेशों की वाहक हैं। एक-एक लीला में गूढ़ आध्यात्मिक रहस्य संजोया व पिरोया हुआ है। जैसे ग्वालिनों की मटकियों से माखन चुराकर खाना। नन्दनन्दन माखन चोर की यह लीला अत्यंत सांकेतिक है। यह इशारा कर रही है कि संसार द्वैतात्मक है। इसमें माखन रूपी सार एवं छाछ रूपी असार दोनों ही विद्यमान हैं। माखन चुराकर प्रभु यही समझा रहे हैं कि संसार में परम सार तत्त्व अर्थात ईश्वर का वरण करो, सारहीन माया का नहीं।

बाल-लीलाओं की इस श्रृंखला में विषधर कालिया की मर्दन लीला को ही लें। यह बाललीला भी कुछ कम प्रतीकात्मक नहीं। यहाँ विषधर कालिया हमारे विषाक्त मन का प्रतीक है। उसके सहस्रों विषैले फन हमारे अंतस में फुँफकारते अगणित विकारों, दुर्भावनाओं के द्योतक हैं। हमारे जीवन की यमुना भी इन वासनात्मक प्रवृत्तियों के कारण विषाक्त हो गई है। जीवन की मिठास लुप्त और शांति भंग होती जा रही है। श्री कृष्ण का यमुना के तल में उतरना प्रतीक है हमारे जीवन में एक पूर्ण गुरु के पदार्पण का। गुरु प्रदत्त ब्रह्मज्ञान द्वारा अंतस में व्याप्त एक-एक विकार क्षीण होने लगता है। मन नथ जाता है। पूर्णतया विकार रहित एवं समर्पित हो, उस परम सत्ता के दिव्य नृत्य का उचित धरातल बन पाता है।

महारास की दिव्य लीला भी अपने में गूढ़ आध्यात्मिक रहस्य को संजोए हुए है। रासलीला वह भावलीला है, जिसमें माया, दैहिक आकर्षण व श्रृंगार का कोई स्थान नहीं। देहाध्यास लेशमात्र भी नहीं। यह शरीर का नहीं, अपितु आत्मा का रसपूर्ण नृत्य है। इस दिव्य नर्तन में गोपियाँ आत्मा रूप थीं और श्री कृष्ण परमात्मा स्वरूप! यह प्रत्येक आत्मा का अपने स्रोत परमात्मा के संग आध्यात्मिक संयोग था। पदम्पुराण में वर्णन आता है कि त्रेता के जिन ऋषिगणों की इच्छा प्रभु राम के संग रहने की थी, वे सब ही द्वापर में गोप-गोपियाँ बन कर आए। ऋषि-आत्माएँ अर्थात गोपियाँ जन्म-जन्मान्तरों से ब्रह्म रस की पिपासु थीं। और जैसा कि कहा भी गया है- वह ब्रह्म ही परम रस है। पारब्रह्म ने श्री कृष्ण रूप में महारास के माध्यम से इसी परम रस की गोपियों पर वृष्टि की। उनकी चिरकालीन आध्यात्मिक पिपासा को शान्त किया।

समग्रतः भगवान श्री कृष्ण की समस्त लीलाएँ दिव्य एवं पारलौकिक हैं। उनका चरित्र अत्यंत उदात्त है। वे शुद्ध-बुद्ध-मुक्त-चैतन्य रूप हैं। उनको एवं उनकी लीलाओं में निहित गूढ़ार्थों को लौकिक बुद्धि द्वारा नहीं समझा जा सकता। ब्रह्मज्ञान ही उनको समझने की एक मात्र कुंजी है। एक ब्रह्मज्ञानी ही अन्तर्हृदय की गहराइयों में उतरकर इन लीलाओं के मर्म को समझ सकता है। इनसे प्रेरित होकर जीवन में परमानन्द का अनुभव कर सकता है। जन्माष्टमी के इस पावन पर्व पर सभी भागवत्प्रेमियों को दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान का यही सन्देश है कि आप श्री कृष्ण कन्हैया की बाहरी झांकियों को देखने तक ही सीमित न रहें। उसका गुणगान मात्र बाहरी इंद्रियों से ही न सुनें। अपितु इस पर्व को सही मायनों में सार्थक करने हेतु इस अवतारी युगपुरुष को ब्रह्मज्ञान द्वारा तत्त्व से जानने की चेष्टा करें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

अलीगंज को जिला बनाने की मांग ने पकड़ा जोर, एमएलसी मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री से प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात का दिया भरोसा

एन0के0शर्मा/वेलकम इंडिया

अलीगंज। पुरानी तहसील अलीगंज स्थित अधिवक्ता भवन में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 'अलीगंज को जिला बनाओ' अभियान को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश सदस्यता सह-संयोजक दिनेश चन्द्र गुप्त ने की, जबकि संचालन अभियान के संयोजक अम्बरीष सिंह राठौर एडवोकेट ने किया। बैठक में क्षेत्र के अधिवक्ताओं, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने अलीगंज को जिला बनाए जाने की मांग को मजबूती से उठाते हुए विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक को दिनेश दीक्षित एडवोकेट, राजकुमार सिंह राठौर वरिष्ठ संघ कार्यकर्ता, राजकुमार सिंह अध्यक्ष डी.ए.वी. इंटर कॉलेज, रामगोपाल सिंह शाक्य प्रबंधक गौतम बुद्ध इंटर कॉलेज, समाजसेवी सूर्यकांत गुप्ता ज्वैलर्स तथा जय नरेश सिंह राठौर, सेवानिवृत्त रजिस्ट्रार कानूनगो सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि अलीगंज क्षेत्र भौगोलिक, प्रशासनिक एवं सामाजिक दृष्टि से जिला बनाए जाने की आवश्यक पात्रता रखता है। उन्होंने शासन स्तर पर इस मांग को प्रभावी ढंग से उठाने तथा जनप्रतिनिधियों के माध्यम से इसे निर्णायक मुकाम तक पहुंचाने पर जोर दिया।

इसी दौरान आगरा स्नातक क्षेत्र के विधान परिषद सदस्य मानवेन्द्र प्रताप सिंह के बैठक में पहुंचने से माहौल में नई ऊर्जा का संचार हो गया। उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया। संयोजक अम्बरीष सिंह राठौर एडवोकेट एवं समाजसेवी सूर्यकांत गुप्ता ज्वैलर्स ने अलीगंज को जिला घोषित किए जाने की मांग से संबंधित संयुक्त ज्ञापन एमएलसी को सौंपा तथा आग्रह किया कि आगामी विधानसभा सत्र के दौरान क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात मुख्यमंत्री से कराई जाए, ताकि अलीगंज को जिला बनाने की मांग को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा जा सके।

ज्ञापन स्वीकार करने के बाद मुख्य अतिथि मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि ह्लअलीगंज वास्तव में जिला बनाए जाने योग्य है ह्व उन्होंने आश्वस्त किया कि संयुक्त ज्ञापन को अपनी संस्तुति के साथ मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी विधानसभा सत्र में अलीगंज को जिला बनाए जाने की मांग को लेकर प्रतिनिधिमंडल की मुख्यमंत्री से मुलाकात कराने का प्रयास किया जाएगा। एमएलसी के इस आश्वासन के बाद बैठक में उपस्थित लोगों में उत्साह दिखाई दिया। वक्ताओं ने कहा कि अलीगंज को जिला बनाने की मांग अब केवल स्थानीय स्तर की आवाज न रहकर संगठित जनप्रतिनिधित्व और प्रशासनिक पहल का विषय बनती जा रही है। बैठक में मौजूद लोगों ने अभियान को आगे बढ़ाने और शासन तक क्षेत्र की सामूहिक आवाज पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया। अंत में संयोजक अम्बरीष सिंह राठौर एडवोकेट ने बैठक में पहुंचे सभी गणमान्य नागरिकों, अधिवक्ताओं एवं क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। बैठक में सुरेन्द्र दुबे एडवोकेट, प्रमोद सिंह पट्टी जैथरा, प्रदीप कुमार, संजय कुमार, सौरभ सिंह, गौरव सिंह, बाबी सिंह राठौर सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

रिश्ता टूटने से नाराज युवक ने दो बहनों पर डाला तेजाब, आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। थाना सिंभावली क्षेत्र के ग्राम माधापुर में दो बहनों पर तेजाब डालकर घायल करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी का गांव की एक युवती से रिश्ता तय हुआ था, लेकिन बाद में किसी कारणवश रिश्ता टूट गया था ।बताया गया कि इसी बात से नाराज आरोपी ने बीती रात युवती और उसकी बहन पर तेजाब डालने की घटना को अंजाम दिया, जिससे दोनों बहनें घायल हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही थाना सिंभावली पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना को लेकर थाना सिंभावली प्रभारी निरीक्षक अरविंद चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई की।

कश्यप समाज ने बसपा प्रत्याशी विपिन दीवान का किया स्वागत

विपिन दीवान बोले–सभी वर्गों को साथ लेकर होगा क्षेत्र का विकास

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। हापुड़ विधानसभा-59 से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रत्याशी विपिन दीवान के कार्यालय पर रविवार को कश्यप समाज के लोगों ने पहुंचकर उनका फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान समाज के लोगों ने विपिन दीवान को शुभकामनाएं देते हुए उनके प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। स्वागत से उत्साहित विपिन दीवान ने कश्यप समाज के लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र का विकास तभी संभव है, जब सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ा जाए। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग का सम्मान, सहयोग और भागीदारी उनके लिए महत्वपूर्ण है। क्षेत्र की जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाकर उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कश्यप समाज की ओर से मिले सम्मान और समर्थन के लिए सभी लोगों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनका विश्वास और सहयोग उनके लिए महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर मनोज कश्यप, सतीश कश्यप गोयना, हरेंद्र कश्यप, विवेक कश्यप, अनिल कश्यप, मिथुन कश्यप, सौरभ कश्यप किसान यूनियन, दीपक कश्यप सहित कश्यप समाज के अनेक लोग मौजूद रहे।

सभासद रईस भूरा ने मंडलायुक्त को पत्र भेजकर टांडा की विद्युत व्यवस्था दुरुस्त कराने की उठाई मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

टांडा। नगर के वार्ड नंबर 11 के सभासद मोहम्मद रईस उर्फ भूरा ने मंडलायुक्त मुरादाबाद को पत्र भेजकर नगर के कई मोहल्लों में ओवरलोड ट्रांसफार्मर और जर्जर एबीसी वायर की समस्या का जल्द समाधान कराने की मांग की है। सभासद ने पत्र में बताया कि नगर के विभिन्न मोहल्लों में लंबे समय से ट्रांसफार्मर पर क्षमता से अधिक भार होने के कारण बिजली आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इसके चलते बार-बार ट्रिपिंग, लो वोल्टेज और बिजली बाधित होने की समस्या बनी रहती है। उन्होंने बताया कि ईद वाली बगिया में गोल्डन राइस मिल के पास पहले दो ट्रांसफार्मर लगे थे, लेकिन इनमें से एक को हटा लिया गया है। अब एक ही ट्रांसफार्मर पर अधिक भार होने के कारण वह आए दिन खराब हो जाता है। उन्होंने यहां दोबारा दूसरा ट्रांसफार्मर लगाए जाने के साथ पुरानी लीड और जर्जर तारों को बदलवाने की मांग की है इसी तरह काजीपुरा में शाही मस्जिद के पास लगे ट्रांसफार्मर पर भी क्षमता से अधिक भार होने के कारण बार-बार खराबी और ट्रिपिंग की समस्या बनी हुई है। मनिहारान में बच्चे वाले कब्रिस्तान के पास भी ट्रांसफार्मर ओवरलोड होने के कारण विद्युत आपूर्ति प्रभावित होने की बात पत्र में कही गई है। सभासद ने मस्जिद कोहना क्षेत्र में भी बिजली की गंभीर समस्या का उल्लेख करते हुए विभागीय जांच कराकर जल्द समाधान कराने की मांग की है। सभासद ने मंडलायुक्त से जनहित में शीघ्र समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

चमरी में विवाद व मारपीट के मामले में हापुड़ नगर पुलिस की त्वरित कार्रवाई, 8 गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। थाना हापुड़ नगर पुलिस ने अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मोहल्ला चमरी में दो पक्षों के बीच हुए विवाद एवं मारपीट की घटना में त्वरित कार्रवाई करते हुए 08 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मोहल्ला चमरी में दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था, जिसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट हुई। घटना की सूचना मिलते ही थाना हापुड़ नगर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और घटना में संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू की।पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए 08 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। कोतवाली प्रभारी मनीष चौहान ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार का विवाद या कानून व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला कारागार में हुआ विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। रविवार को जिला कारागार बिजनौर में लायन्स क्लब बिजनौर एवं लायनस क्लब बिजनौर के द्वारा सभी प्रकार रोग के प्रसिद्ध व मशहूर चिकित्सकों द्वारा एक विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बन्दियों एवं कारागार कार्मिकों को उनके रोगों के अनुसार उचित ईलाज का सुझाव दिया गया तथा साथ ही आवश्यक दवाओं का वितरण भी किया गया। यह भी अवगत कराना है कि क्लीनिकल पैथोलोजी का भी स्टॉल लगाया गया साथ ही लायनस क्लब के द्वारा जेल में निरूद्ध महिला बन्दियों व उनके साथ रह रहे बच्चों को ब्रान्डेड कपड़े व साड़ियों का वितरण किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती जसजीत कौर जिलाधिकारी बिजनौर, श्री के०के० विश्नोई पुलिस अधीक्षक बिजनौर, श्री पीयूष कुमार अध्यक्ष लायन्स क्लब बिजनौर, श्रीमती प्रतिभा सिंह अध्यक्षा लायनस क्लब, बिजनौर एवं अन्य पदाधिकारियों के द्वारा इस महान चिकित्सा कैम्प का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया गया।

चिकित्सा शिविर में नाक, कान, आँख, गला, स्किन, कार्डियोलोजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, दन्त रोग विशेषज्ञ, सामान्य फिजिशियन, क्लीनिकल पैथोलोजी, नैचर पैथी के विशेषज्ञों द्वारा सभी प्रकार के रोगों का उपचार किया गया तथा समस्त बन्दियों एवं कारागार कर्मियों को आवश्यक दवाओं का वितरण भी किया गया। लायन्य क्लब एवं लायनस क्लब द्वारा अगले वर्ष 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर इसी प्रकार का भव्य महा चिकित्सा शिविर लगाये जाने की घोषणा भी की। इस अवसर पर कार्यक्रम के अन्त में जेल अधीक्षक राजेश कुमार सिंह ने कार्यक्रम आयोजित किये जाने हेतु संस्थाओं का अभिनन्दन एवं आभार व्यक्त किया।

ऑपरेशन तलाश के तहत हापुड़ पुलिस की कार्रवाई, बाबूगढ़ व हाफिजपुर से दो वारंटी किये गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए हापुड़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन तलाश' अभियान के तहत पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई की है। अभियान के अंतर्गत थाना बाबूगढ़ एवं थाना हाफिजपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुल 02 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के विरुद्ध न्यायालय द्वारा वारंट जारी किए गए थे। थाना बाबूगढ़ प्रभारी प्रवीण कुमार एवं थाना हाफिजपुर प्रभारी अतुल चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाकर यह कार्रवाई की। पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अपराधियों एवं वारंटियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

चोरी किये गये ग्यारह बैटरों व घटना में प्रयुक्त गाड़ी सहित तीन युवक गिरफ्तार

बिजनौर (वेलकम इंडिया)। नजीबाबाद पीड़ित राहुल कुमार सिंह पुत्र गौतम सिंह निवासी आदर्शनगर गली न – 12 थाना नजीबाबाद ने तहरीर दी थी कि अज्ञात चोरों द्वारा कोतवाली रोड स्थित अबुल फजलपुर तबैला पैट्रोल पम्प यार्ड से ग्यारह बैटरे चोरी कर लिए गये है। तहरीर के आधार पर थाना नजीबाबाद में बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया। थाना नजीबाबाद पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए मोहम्मद नदीम पुत्र मोहम्मद फैय्याज निवासी ग्राम घिसटपुरी थाना नजीबाबाद ,अब्बास पुत्र इशरत निवासी ग्राम जोगीरमपुरी मजार के पीछे थाना नगीना देहात, अजीम पुत्र सगीर निवासी मौहल्ला कुरैशियान रायपुर थाना नगीना देहात को चोरी किये गये ग्यारह बैटरे व घटना में प्रयुक्त कार सहित तीनों युवकों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में युवकों ने बताया कि दौरान बताया कि बीते दिनों रात्रि मे ग्राम अबुल फजलपुर तबेला के पास स्थित पैट्रोल पम्प के पीछे बने यार्ड मे खडे ट्रकों से बारह बैटरे चुराये थे जिनमे से एक बैटरा वही पर टूटकर गिर गया था तथा ग्यारह बैटरे को कार में रखकर ले आये थे और हमने छः बैटरे अजीम को 12500/– रूपयो मे बेच दिये थे तथा बचे हुए पांच बैटरो को बेचने के लिए बिजनौर जा रहे थे। पुलिस ने तीनो युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया और आगे की कार्यवाही जारी है।

नेहरू स्टेडियम में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, स्केटिंग में मेडल तो क्रिकेट में वर्धमान एकेडमी ने जीता खिताब

अंडर-16 क्रिकेट के फाइनल में बिजनौर-ए को 51 रन से हराया, अभी तोमर बने प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। नेहरू स्पोर्ट्स स्टेडियम में रविवार को खेल प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। स्टेडियम में प्रथम जिला स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता के साथ जिला स्तरीय अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्केटिंग प्रतियोगिता में जिलेभर से पहुंचे बालक-बालिकाओं ने क्वाड और इनलाइन स्केटिंग में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, वहीं क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में वर्धमान क्रिकेट एकेडमी बिजनौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बिजनौर-ए को 51 रन से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में सब-जूनियर अंडर-13 और जूनियर अंडर-17 वर्ग के बालक एवं बालिकाओं ने क्वाड तथा इनलाइन स्केट्स स्पधाओं में हिस्सा लिया। खिलाड़ियों के बीच रफ्तार और संतुलन को लेकर कड़ा मुकाबला देखने को मिला। प्रतियोगिता के समापन पर जिला क्रीड़ा अधिकारी राजकुमार ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल, प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को 700 रुपये, द्वितीय स्थान के लिए 600 रुपये और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को 500 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। क्वाड स्केट्स के बालक अंडर-13 वर्ग में अर्णव अधिरन ने प्रथम, अंगद भटनागर ने द्वितीय और आरव वर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। बालक अंडर-17 में उदित सिंह प्रथम, शौर्य द्वितीय और विदित तृतीय रहे। बालिका अंडर-13 में वाणी शर्मा प्रथम, युवांशी सिंह द्वितीय और अंगना तृतीय रहीं, जबकि बालिका अंडर-17 में मान्या ने प्रथम, वैष्णवी ने द्वितीय और शरीफा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इनलाइन स्केट्स के बालक अंडर-13 वर्ग में विहान पूनिया प्रथम, आरव कुमार द्वितीय और अनिक कुमार तृतीय रहे। बालक अंडर-17 में स्वस्तिक राणा ने प्रथम, आदर्श ककरान ने द्वितीय और रिशित गंभीर ने तृतीय स्थान हासिल किया। बालिका अंडर-13 में ध्वनि अग्रवाल प्रथम, आरना हयारण द्वितीय और देविका तृतीय रहीं। बालिका अंडर-17 वर्ग में दिविज्या पूनिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी राजकुमार ने कहा कि जिले में स्केटिंग खेल तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस तरह की प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है और उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना मजबूत होती है। वहीं, अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में वर्धमान क्रिकेट एकेडमी बिजनौर और बिजनौर-ए के बीच मुकाबला हुआ। वर्धमान क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में एक विकेट खोकर 88 रन बनाए। उत्कर्ष शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 65 रन की पारी खेली, जबकि प्रलभ शांतनु ने 22 रन बनाए। बिजनौर-ए की ओर से वेदांश ने एक विकेट हासिल किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिजनौर-ए की टीम वर्धमान क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों के सामने ज्यादा देर टिक नहीं सकी और 9.1 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 37 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से समर्थ ने 10 रन बनाए। वर्धमान क्रिकेट एकेडमी की ओर से अभी तोमर ने घातक गेंदबाजी करते हुए दो ओवर में महज दो रन देकर पांच विकेट झटके। मौर्य और लव ने भी एक-एक विकेट हासिल किया। शानदार प्रदर्शन के लिए अभी तोमर को फाइनल मुकाबले का प्लेयर ऑफ द मैच और पूरे टूर्नामेंट का प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। मैच में अंपायर की भूमिका विनीत सिंह और हिमांशु ने निभाई, जबकि स्कोरर की जिम्मेदारी अक्ष ने संभाली। प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण जिला क्रीड़ा अधिकारी राजकुमार ने किया।

इस दौरान प्रतियोगिता आयोजनकर्ता नागेंद्र कुमार, दीपक भटनागर, विकास सेतिया, वर्धमान क्रिकेट एकेडमी के कोच मोहम्मद मोहसिन, कनिष्ठ सहायक हिमांशु, स्केटिंग कोच शुभम तोमर, हॉकी कोच चित्रा चौहान, वेटलिफ्टिंग कोच विशाल, खो-खो कोच जितेंद्र कुमार, विशु राणा, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आकृति, शालिनी और सारिका सहित खेल विभाग के कर्मचारी, खेल प्रेमी एवं अभिभावक मौजूद रहे। स्केटिंग प्रतियोगिता का मंच संचालन राजेंद्र सोलंकी ने किया। स्केटिंग कोच शुभम तोमर ने सभी अतिथियों, सहयोगियों, खिलाड़ियों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री धामी ने सुनी 'मन की बात', नशामुक्त युवा और विकसित भारत के संकल्प को जनआंदोलन बनाने पर दिया जोर

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव: पुष्कर सिंह धामी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कुआंवाला, देहरादून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 137वें संस्करण को सुना। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं अन्य लोग मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे सकारात्मक कार्यों, नवाचारों, सामाजिक सरोकारों और जनभागीदारी से जुड़े प्रयासों को देशवासियों के सामने रखा। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम देशवासियों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने का प्रभावी माध्यम बन चुका है। यह कार्यक्रम समाज के ऐसे लोगों और संस्थाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला रहा है, जो अपने प्रयासों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग क्षेत्रों में आम नागरिकों द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों को सामने लाकर प्रधानमंत्री उन्हें प्रोत्साहित करने के साथ ही दूसरे लोगों को भी प्रेरणा दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में युवाओं को नशे से दूर रखने और 'नशामुक्त युवा-विकसित भारत' के संकल्प को जनआंदोलन बनाने का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है और यदि युवा नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेल, कौशल, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में लगाएंगे तो भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य और मजबूत होगा। धामी ने कहा कि नशे की प्रवृत्ति न केवल व्यक्ति और परिवार को प्रभावित करती है, बल्कि इसका असर पूरे समाज पर पड़ता है। ऐसे में युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए परिवार, समाज और सरकार सभी को मिलकर प्रयास करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री के आह्वान से युवाओं में नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ेगी और स्वस्थ, सकारात्मक तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित युवा शक्ति को नई ऊर्जा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत के गौरवशाली इतिहास और समृद्ध विरासत को नई पीढ़ी तक रोचक एवं सरल तरीके से पहुंचाने के लिए जा रहे अभिनव प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देश का इतिहास केवल अतीत की जानकारी नहीं है, बल्कि यह वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से युवाओं में अपनी संस्कृति, परंपराओं और विरासत के प्रति समझ एवं गौरव की भावना मजबूत होती है। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना सामूहिक जिम्मेदारी है। युवाओं को अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को समझते हुए देश के विकास में योगदान देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके माध्यम से देश के अलग-अलग क्षेत्रों में आम नागरिकों द्वारा किए जा रहे असाधारण कार्यों को राष्ट्रीय मंच मिलता है। कोई व्यक्ति सामाजिक सेवा के क्षेत्र में काम कर रहा हो, पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रयास कर रहा हो, स्थानीय कला एवं संस्कृति को आगे बढ़ा रहा हो या नवाचार के माध्यम से समाज की किसी समस्या का समाधान कर रहा हो, ऐसे प्रयासों को प्रधानमंत्री देश के सामने रखते हैं। उन्होंने कहा कि इससे उन लोगों का उत्साह बढ़ता है और समाज के दूसरे नागरिक भी अपने स्तर पर सकारात्मक पहल करने के लिए प्रेरित होते हैं। जनभागीदारी के ऐसे छोटे-छोटे प्रयास आगे चलकर बड़े सामाजिक बदलाव का आधार बनते हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों, विशेषकर युवाओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेशों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ, अनुशासित, नशामुक्त और सकारात्मक सोच रखने वाली युवा शक्ति ही सशक्त भारत की पहचान बनेगी।

सड़क के किनारे उगी झाड़िया दे रही हैं हादसे को दावत

संतकबीरनगर (वेलकम इंडिया)। विकास खण्ड सेमरियावाँ क्षेत्र के गांवों को राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित बेलहवा चुरेब से जोड़ने वाले दुधारा से बेलहवा चुरेब संपर्क मार्ग पर सड़क किनारे उगी हुई झाड़िया हादसे को दावत दे रही हैं। जो कि क्षेत्रवासियों की परेशानी का कारण बना हुआ है। सेमरियावां ब्लाक क्षेत्र के दुधारा, परसाशेख, गगैचा, दशावां, सुकरौली, बजहरा, कैथवलिया, देवरिया लाल, चाईंकला, थुरंडा सहित दर्जनों गांवों को राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित बेलहवा चुरेब से जोड़ता है। प्रतिदिन सैकड़ों लोग जनपद, तहसील मुख्यालय पर इसी मार्ग से आते जाते हैं। इस मार्ग पर कई मोड़ हैं। बजहरा, कैथवलिया के बीच सड़क के किनारे पर झाड़िया उग आई हैं। जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। मामले को लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ग्रामीण इरशाद अहमद, इम्तियाज अहमद, इब्राहिम सिद्दीकी, मोहम्मद अरशद, शारिक सिद्दीकी, साजिद खान, प्रेमनाथ चौधरी, अब्दुल कलाम, राम वृक्ष यादव, महमूद आलम, नजीर अहमद आदि ने प्रशासन से उत्पन्न समस्या के समाधान की मांग किये हैं।

बाबा कदेरा सिंह आवासीय विद्या मंदिर ने गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर स्वच्छता जागरूकता अभियान का 23वाँ रविवार किया पूर्ण

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/सोंख। सप्तकोसीय परिक्रमा मार्ग को स्वच्छ और सुंदर रखने के संकल्प के साथ बाबा कदेरा सिंह आवासीय विद्या मंदिर द्वारा संचालित स्वच्छता जागरूकता अभियान के तीसरे चरण का 23वाँ रविवार श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अभियान के अंतर्गत गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर खम्बा नंबर 550 से 565 खम्बा नंबर तक सफाई की गई। अभियान की विधिवत शुरूआत विद्यालय चेयरमैन सुरेश सिंह द्वारा झाड़ू लगाकर की गई।

इस पुनीत कार्य में विद्यालय प्रबंधक प्रह्लाद सिंह, शिक्षा निदेशक एस.वी. सिंह, प्राचार्य रामबाबू रुक्मेश सिंह डॉ. अशोक हरिओम कोऑर्डिनेटर विपिन सिंह ओमप्रकाश सहित विद्यालय के शिक्षक कर्मचारी व छात्र कुल 28 सहयोगियों ने 21 झाड़ू के साथ भाग लिया। चेयरमैन सुरेश सिंह ने कहा कि हमारी संस्था का मुख्य उद्देश्य केवल शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि श्री गोवर्धन पर्वत परिक्रमा मार्ग को स्वच्छ-सुथरा रखना भी है। विद्यालय परिवार पिछले कई वर्षों से हर रविवार इस पुनीत कार्य में अपनी सेवाएं दे रहा है। यह सफाई अभियान का लगातार तीसरा चरण चल रहा है। हमें खुशी है कि परिक्रमार्थियों से हमें लगातार भरपूर सहयोग और आशीर्वाद मिल रहा है। प्रबंधक प्रह्लाद सिंह ने कहा कि गोवर्धन पर्वत परिक्रमा मार्ग केवल एक मार्ग नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक है। देश-विदेश से लाखों भक्तजन यहां दर्शन और परिक्रमा के लिए आते हैं। शासन-प्रशासन व जनप्रतिनिधि अपने स्तर पर कार्य कर रहे हैं, परंतु क्षेत्र बड़ा होने के कारण जन-सहयोग अत्यंत आवश्यक है। आज के अभियान में कई परिक्रमार्थियों ने स्वेच्छा से झाड़ू लगाकर हमारे कार्य की सराहना की और सहयोग किया। अभियान में रामानंद, दाऊ पंडित ऋषि पंडित भगत उधम अमित आशीष मनोज कान्हा जगदीश महेश भोला पंडित सत्यपाल सहित अनेक श्रद्धालुओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। विद्यालय परिवार ने संकल्प लिया है कि यह अभियान आगे भी निरंतर चलता रहेगा। रुकेगा नहीं अब फिर से गोवर्धन में सफाई अभियान के नारे के साथ हर रविवार गोवर्धन को स्वच्छ रखने का प्रयास किया जाएगा।

जन्माष्टमी पर सजावट के बीच खुले नाले ने नगर निगम की सफाई व्यवस्था की पोल खोली

मथुरा (वेलकम इंडिया)। मंडी चौराहा-सौंख रोड पर एक नन्दी खुले नाले में गिर गया घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई, नंदी के नाले में गिरने की सूचना मिलते ही स्थानीय दुकानदार और आसपास के लोग मौके पर जुट गए। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद जेसीबी की मदद से नंदी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना ने एक बार फिर मथुरा-वृंदावन नगर निगम की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर नगर निगम शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों को सजाने-संवारने में जुटा है। हाल में जन्माष्टमी से पहले नगर निगम द्वारा अवैध होर्डिंग और बैनर हटाने की कार्रवाई भी की गई है। वहीं मंडी चौराहा-सौंख रोड जैसे प्रमुख स्थानों पर खुले नाले और नालियों की स्थिति चिंता बढ़ा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खुले नालों में आए दिन गोवंश के गिरने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। ऐसे में सवाल है कि जब जन्माष्टमी पर शहर को आकर्षक बनाने पर जोर दिया जा रहा है, तो खुले नालों को ढकने और उनकी नियमित सफाई की जिम्मेदारी आखिर कौन निभाएगा? गौरतलब है कि मंडी चौराहा और सौंख रोड क्षेत्र में नगर निगम पहले भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर चुका है और नालों के ऊपर बनी अस्थायी दुकानों को हटाया गया था। एक बार फिर सवाल नगर निगम से है—क्या किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है, या खुले नालों को समय रहते सुरक्षित किया जाएगा?

हेडकांस्टेबल विजय कुमार को दी गई भावभीनी विदाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। पुलिस चौकी अड़ींग पर दो वर्ष आठ माह से अपनी सेवाएं दे रहे हेडकांस्टेबल विजय कुमार का स्थानांतरण मथुरा के थाना सदर होने पर चौकी परिसर में विदाई समारोह आयोजित किया गया। चौकी प्रभारी प्रदीप भदौरिया सहित समस्त पुलिस स्टाफ, प्रमुख समाजसेवी पूर्व प्रधान मुनीश स्वरूप उर्फ बंदर प्रधान,गुलाब सिंह उर्फ गब्बर सैनी तथा स्थानीय लोगों ने उन्हें फूल-माला पहनाकर सम्मानित किया और भावभीनी विदाई दी। इस दौरान चौकी प्रभारी प्रदीप भदौरिया ने कहा कि हेडकांस्टेबल विजय कुमार ने अपने कार्यकाल में पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ पुलिस दायित्वों का निर्वहन किया। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ आमजन के प्रति उनका व्यवहार भी सराहनीय रहा। उन्होंने कहा कि स्थानांतरण विभागीय प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन अच्छे साथी के जाने का हमेशा दुख रहता है। उन्होंने विजय कुमार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए नई तैनाती के लिए शुभकामनाएं दीं। वहीं पूर्व प्रधान मुनीश स्वरूप एडवोकेट, समाजसेवी गुलाब सिंह उर्फ गब्बर सैनी ने कहा कि विजय कुमार का स्थानीय लोगों के साथ हमेशा मधुर व्यवहार रहा। उन्होंने पुलिस सेवा के दौरान आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए तत्परता दिखाई। उन्होंने कहा कि अपने सरल व्यवहार और कार्यशैली के कारण विजय कुमार ने क्षेत्रवासियों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। विदाई समारोह में पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने हेडकांस्टेबल विजय कुमार को स्मृति चिह्न एवं पुष्पमाला भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान मौजूद लोगों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए नई तैनाती के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान माहौल भावुक हो गया।

बूथ पर बैठकर सुनी मोदी की 'मन की बात' जिलाध्यक्ष ने कहा हर घर तक पहुंचाएं प्रधानमंत्री का संदेश

वेलकम इंडिया/संदीप तिवारी

कछवारोड़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 137 वें 'मन की बात' का प्रसारण का रविवार को पूरे देश के साथ स्थानीय स्तर पर भी सुना गया।भाजपा जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल कार्यकताओं के साथ मेंहदीगंज स्थित मड़ई बूथ संख्या 273 पर पहुंचे और यहां सभी कार्यकताओं के साथ मिलकर कार्यक्रम को ध्यानपूर्वक सुना।कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने देश की एकता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत के संकल्पों पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं, महिलाओं और किसानों से जुड़े कई प्रेरणादायक उदाहरण भी साझा किए। 'मन की बात' समाप्त होने के बाद जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने कार्यकताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने जो विचार और संदेश दिए हैं, उन्हें हमें अपने जीवन और समाज में उतारना होगा।जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता होने के नाते हमारी जिम्मेदारी है कि हम केंद्र सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं। उन्होंने बूथ स्तर पर स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया।पटेल ने कार्यकताओं से कहा कि गांव-गांव में प्रधानमंत्री के संदेश को पहुंचाकर लोगों को जागरूक किया जाए। स्थानीय समस्याओं को सुनकर उनका समाधान कराना भी हमारा दायित्व है।इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष, मंडल पदाधिकारी और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में प्रधानमंत्री के विजन को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंत में जिलाध्यक्ष ने कहा कि 'मन की बात' सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह जनता से संवाद का माध्यम है।इससे हमें समाज सेवा की नई ऊर्जा और दिशा मिलती है।अंत में सभी कार्यकताओं ने राष्ट्र निर्माण में सहयोग करने और पार्टी को मजबूत करने का प्रण लिया।इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष अखिलेश पटेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुनील मिश्रा, अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', सीताराम पाल, पंकज तिवारी, प्रदीप पटेल, मिथिलेश, वीरबहादुर, काशीनाथ, दूधनाथ, शिव शंकर पटेल, अमित पटेल, राम विलास, लाल बहादुर, अजय पटेल, ओमप्रकाश पटेल, अश्वनी यादव, चंदू पटेल समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।इसी तरह गौर गांव में बूथ संख्या 244 पर स्व.वंशनारायण सिंह महिला महाविद्यालय पर वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव सिंह गौतम के नेतृत्व में भी मन की बात सुना गया।जिसमें पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र बिन्द, राजनाथ दूबे, धीरज सिंह, महेश बिन्द, रौनक सिंह, प्रवीण विश्वकर्मा समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वर्दी में सेवा, हाथों में झाड़ू-स्वच्छता अभियान को लेकर पुलिस अधीक्षक संतकबीर नगर के निर्देश

पुलिस लाइन से लेकर थाना, चौकी एवं पुलिस कार्यालयों में चलेगा विशेष स्वच्छता अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में जनपद संतकबीरनगर में पुलिस परिसरों को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से आज दिनाँक 30.08.2026 (रविवार) को प्रातः 06:00 बजे से 08:00 बजे तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत पुलिस लाइन, पुलिस कार्यालय, समस्त क्षेत्राधिकारी कार्यालय, थाना एवं चौकी परिसरों, विभिन्न पुलिस शाखाओं तथा अन्य पुलिस कार्यालयों में अधिकारी एवं कर्मचारीगण द्वारा सामूहिक रूप से स्वच्छता अभियान में प्रतिभाग किया। पुलिस लाइन परिसर में प्रशासनिक भवन, परेड ग्राउंड, परिवहन शाखा, मेस, जिम्नेजियम, इनडोर शूटिंग रेंज, पुलिस कैंटीन एवं बैरकों की विशेष साफ-सफाई की गयी, साथ ही कार्यालयीन अभिलेखों को सुव्यवस्थित रखने तथा शस्त्रागार की साफ-सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया दिया। पुलिस कार्यालय परिसर एवं सभी शाखाओं में साफ-सफाई कराते हुए कार्यालय के अभिलेखों को व्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके से रखा गया। इसी प्रकार जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी कार्यालय परिसरों में भी विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। जनपद के सभी थाना एवं चौकी परिसरों में प्रशासनिक भवन, वाहन, मेस, बैरक, आगंतुक कक्ष, महिला हेल्प डेस्क आदि की साफ-सफाई कराया गया। कार्यालयीन अभिलेखों को व्यवस्थित करने के साथ-साथ शस्त्रागार एवं मालखाना की साफ-सफाई भी सुनिश्चित की गया। डायल-112, यातायात शाखा, रेडियो शाखा, जनपद नियंत्रण कक्ष, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू), साइबर थाना सहित अन्य पुलिस शाखाओं एवं उनके परिसरों में भी साफ-सफाई तथा अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव का कार्य किया गया। पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि स्वच्छता अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता सुनिश्चित करते हुए अपने-अपने कार्यालय, परिसर एवं कार्यस्थल को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित रखें।

बांके बिहारी मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर हाईपावर कमेटी पर उठे सवाल

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर वृंदावन स्थित बांके बिहारी मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की व्यवस्थाओं को लेकर हाईपावर कमेटी के सदस्य एवं सेवायत रजत गोस्वामी ने चिंता जताई है। उन्होंने कमेटी के अध्यक्ष पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि जन्माष्टमी में अब महज चार दिन शेष हैं, लेकिन श्रद्धालुओं की व्यवस्थाओं को लेकर अभी तक कोई ठोस योजना तैयार नहीं की गई है। रजत गोस्वामी के अनुसार जन्माष्टमी पर मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के दर्शन की व्यवस्था किस प्रकार होगी, इसको लेकर अब तक कोई प्लान सामने नहीं आया है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि भारी भीड़ के दौरान सेवायत गोस्वामी अभिषेक की सामग्री लेकर मंदिर में किस तरह प्रवेश करेंगे, इस संबंध में भी अभी तक कोई मंथन नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कमेटी के कुछ पदाधिकारी महीने में दो-तीन दिन ही मंदिर आते हैं, जबकि उन्हें पूरे माह का वेतन दिया जाता है। जन्माष्टमी की तैयारियों को लेकर अभी तक कोई बैठक नहीं बुलाए जाने पर भी उन्होंने सवाल खड़े किए हैं। रजत गोस्वामी ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जल्द बैठक बुलाकर व्यवस्थाओं की स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करने की मांग की है।

जिलाबदर आदेश की धज्जियां उड़ाकर जनपद में छिपकर रह रहा आरोपी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिला प्रशासन के जिलाबदर आदेश का उल्लंघन कर जनपद में लुक-छिपकर रह रहे एक आरोपी को थाना बखिरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा 10 के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय भेज दिया।

पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी मेंहदावल सर्वदवन सिंह के निकट पर्यवेक्षण में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। थानाध्यक्ष बखिरा उमाशंकर त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग और गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने शिवम यादव पुत्र राजबहादुर यादव निवासी देवकली, थाना बखिरा, जनपद संतकबीरनगर को बभनी चौराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक शिवम यादव को जिला प्रशासन की ओर से छह माह की अवधि के लिए जनपद संतकबीरनगर से जिलाबदर किया गया था। आदेश की विधिवत तामील कराए जाने के बाद भी आरोपी जिलाबदर की अवधि में जनपद की सीमा के भीतर लुक-छिपकर निवास कर रहा था। पुलिस ने 30 अगस्त 2026 को उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के आधार पर थाना बखिरा में मुकदमा संख्या 341/2026 के तहत धारा 10 उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया गया। कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय रवाना कर दिया गया। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सुरेंद्र यादव, हेड कांस्टेबल अजय कुमार सिंह, कांस्टेबल अनूप यादव और कांस्टेबल अमित यादव शामिल रहे। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी शिवम यादव के खिलाफ थाना बखिरा में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2023 में धारा 147, 149, 323, 504, 506 भादवि के तहत मुकदमा संख्या 07/2023, वर्ष 2024 में धारा 323, 504, 506 भादवि के तहत मुकदमा संख्या 134/2024 तथा धारा 351(3), 352 बीएनएस के तहत मुकदमा संख्या 255/2024 शामिल हैं। इसके अलावा वर्ष 2025 में धारा 115(2), 351(2), 352, 74 बीएनएस एवं 7/8 पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा संख्या 475/2025 और धारा 351(3), 352 बीएनएस के तहत मुकदमा संख्या 490/2025 दर्ज है। वर्ष 2026 में भी उसके खिलाफ धारा 151(2), 105 बीएनएस के तहत मुकदमा संख्या 53/2026 दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है।

गौशाला में तेंदुए का हमला, गार्ड रूम में भागकर गौसेवा अध्यक्ष ने बचाई जान

दीवार पर बैठा तेंदुआ अचानक झपटा, सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना; गौशाला में दहशत का माहौल

वेलकम इंडिया संवाददाता

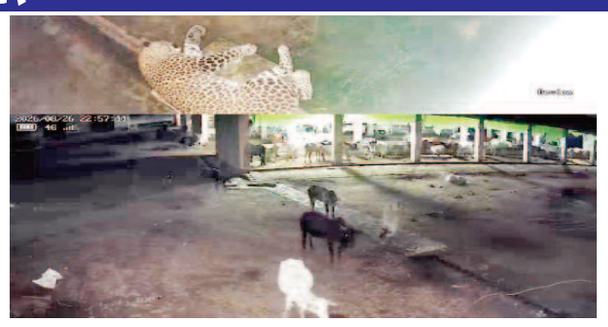

पूरनपुर/पीलीभीत। क्षेत्र की पिपरिया मझरा स्थित गौशाला में तेंदुए की लगातार आमद से गौशाला संचालकों और कर्मचारियों में दहशत का माहौल है। रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब गौसेवा के बाद लौट रहे गौशाला अध्यक्ष पर तेंदुए ने कथित तौर पर झपट्टा मार दिया। अध्यक्ष ने किसी तरह तेजी से गार्ड रूम की ओर भागकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद तेंदुआ काफी देर तक गौशाला परिसर में घूमता रहा। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद होने की बात कही जा रही है। राष्ट्रीय बजरंग दल के गौसेवा जिला प्रमुख ठाकुर शिवम सिंह भदोरिया ने बताया कि पिपरिया मझरा गौशाला के अध्यक्ष पंडित गगन मिश्रा गौसेवा का कार्य पूरा करने के बाद लौट रहे थे। इसी दौरान गौशाला के बाहर दीवार पर बैठे तेंदुए ने अचानक उनकी ओर झपट्टा मार दिया। तेंदुए को अपनी ओर आता देख गगन मिश्रा घबरा गए और जान बचाने के लिए तेजी से गार्ड रूम की तरफ दौड़ पड़े। उन्होंने किसी तरह अंदर पहुंचकर खुद को सुरक्षित किया।बताया गया कि इसके बाद तेंदुआ गौशाला परिसर में ही घूमता रहा। वह गौवंश और नंदी के बीच काफी देर तक दिखाई दिया। तेंदुए की मौजूदगी से वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सीसीटीवी फुटेज में तेंदुए की गतिविधियां कैद होने की बात कही जा रही है, जिससे गौशाला में उसकी आवाजाही की पुष्टि होने का दावा किया गया है।गौशाला संचालकों के अनुसार परिसर की सुरक्षा के लिए पर्याप्त तारबंदी नहीं है। इसके अलावा गौशाला तक आने-जाने वाले रास्ते की व्यवस्था भी ठीक नहीं है। उनका कहना है कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं होने के कारण तेंदुआ बार-बार गौशाला परिसर में पहुंच रहा है। इससे गौवंश के साथ-साथ वहां काम करने वाले कर्मचारियों और गौसेवकों की जान को भी खतरा बना हुआ है। ठाकुर शिवम सिंह भदोरिया ने प्रशासन से गौशाला की तत्काल सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कराने, चारों ओर मजबूत तारबंदी कराने और रास्ते की व्यवस्था कराने की मांग की है। उन्होंने अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो किसी बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने संबंधित विभाग से तेंदुए की निगरानी और आवश्यक कार्रवाई जल्द कराने की मांग की है।

भारत को जानो परीक्षा के लिए व्यवस्थाएं चाक-चौबंद, आज होगा प्रतिभाओं का इम्तिहान

पूरनपुर/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। भारत विकास परिषद शाखा टाइगर, रोहिलखंड प्रांत एनसीआर-1 की ओर से आयोजित भारत को जानो-2026 परीक्षा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा को व्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए पदाधिकारियों और सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। विभिन्न विद्यालयों में प्रतिभागियों को परीक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी भी उपलब्ध कराई जा चुकी है। जूनियर ग्रुप कक्षा 6 से 8 तक की परीक्षा व्यवस्था का दायित्व वरिष्ठ सदस्य अशोक कुमार शर्मा एवं अनूप सहगल को सौंपा गया है। वहीं कक्षा 9 से 12 के प्रतिभागियों की व्यवस्था वरिष्ठ सदस्य डॉ. विजय कुमार सिंह एवं बीके कपूर संभालेंगे। संपूर्ण परीक्षा की निगरानी भारत को जानो शाखा संयोजक अरविंद कुमार गुप्ता और उपाध्यक्ष आरती गंगवार द्वारा की जा रही है। प्रतिभागियों को विभिन्न विद्यालयों में ओएमआर शीट भरने की प्रक्रिया, परीक्षा पाठ्यक्रम और समय प्रबंधन सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा चुकी हैं, ताकि परीक्षा के दौरान किसी छात्र को परेशानी का सामना न करना पड़े।शाखा अध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि भारत को जानो प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में देश के इतिहास, संस्कृति, परंपराओं, महापुरुषों और भारत की विविधता के प्रति ज्ञान एवं जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि इस बार शाखा का लक्ष्य श्रेष्ठतम छात्रों की टीम का चयन कर उसे प्रांतीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए भेजना है। इसके लिए विभिन्न स्तरों पर लगातार प्रयास किए गए हैं।उन्होंने बताया कि ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज में मुख्य परीक्षा 31 अगस्त को दोपहर तीन बजे से आयोजित होगी। चयनित प्रतिभागियों को परीक्षा केंद्र पर दोपहर 2:45 बजे तक रिपोर्ट करना अनिवार्य होगा।इसके अलावा स्प्रिंगडेल स्कूल, बिलगवां तथा कंपोजिट स्कूल शेर मोहम्मद अशरफ खान में भी परीक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है। आयोजकों ने कहा कि सभी केंद्रों पर परीक्षा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से कराने तथा प्रतिभावान विद्यार्थियों के चयन के लिए पूरी तैयारी की गई है।

लंपी वायरस से गोवंश की मौत, पशुपालकों में दहशत

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। क्षेत्र में लंपी वायरस का प्रकोप बढ़ने से पशुपालकों की चिंता बढ़ गई है। गांव पंजोखरा में बीमारी से संक्रमित एक गाय की रविवार को मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में अभी कई गोवंश लंपी वायरस की चपेट में हैं। गांव पंजोखरा निवासी किसान पूर्ण सिंह की गाय करीब दस दिन से लंपी वायरस से संक्रमित थी। उसका उपचार कराया जा रहा था, लेकिन रविवार को उसकी मौत हो गई। गाय की मौत के बाद पशुपालकों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने जेसीबी मशीन की मदद से गांव के बाहर खाली पड़े स्थान पर गड्ढा खोदकर मृत गाय को दफना दिया है।पशुपालन विभाग की ओर से क्षेत्र में लंपी वायरस से बचाव के लिए बड़े स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाने का दावा किया जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रभावित गोवंश का उपचार कराने के साथ ही गांव में अभियान चलाकर सभी पशुओं की जांच और टीकाकरण कराने की मांग की है। पशु चिकित्सक राजीव कुमार ने बताया कि गांव में करीब 250 गोवंश का टीकाकरण किया जा चुका है। गर्भवती गोवंश का टीकाकरण नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि लंपी एक वायरल बीमारी है और इसके नियंत्रण के लिए विभाग की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

पुत्र और पुत्रवधू पर मारपीट का आरोप, दंपति ने मांगी सुरक्षा

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। कस्बे के गंगेरू मार्ग निवासी एक दंपति ने अपने पुत्र और पुत्रवधू पर आए दिन गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़ित दंपति ने थाने पहुंचकर पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई। रविवार को गंगेरू मार्ग निवासी इकराम अपनी पत्नी शाहिदा के साथ थाने पहुंचे। उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनका पुत्र और पुत्रवधू आए दिन उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट करते हैं। आरोप है कि रविवार को भी दोनों ने उनके साथ मारपीट कर उन्हें घर से बाहर निकाल दिया।पीड़ित दंपति ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सुरक्षा दिलाने की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

घुंघचाई थाना गेट पर भिड़े साले-बहनोई पति-भाई के बीच झगड़ा रोकने को हाथ जोड़ती रही महिला

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। घुंघचाई थाना गेट पर साले और बहनोई के बीच हुई मारपीट का वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वायरल वीडियो में एक महिला दोनों पक्षों के बीच हाथ जोड़कर विवाद शांत कराने का प्रयास करती नजर आ रही है। थाना गेट पर काफी देर तक चले विवाद के बावजूद किसी जिम्मेदार के मौके पर पहुंचकर मामला शांत न कराने को लेकर क्षेत्र में चचाएं शुरू हो गई हैं।बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो तीन-चार दिन पुराना है। जानकारी के अनुसार पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप है कि इसी दौरान पति ने पत्नी के साथ मारपीट कर दी। महिला के साथ मारपीट होते देख वहां से गुजर रहे उसके भाई ने विरोध जताया। इसी बात को लेकर साले और बहनोई के बीच कहासुनी शुरू हो गई।कुछ ही देर में दोनों के बीच विवाद बढ़ गया और मामला मारपीट तक पहुंच गया। थाना गेट के पास ही दोनों पक्ष एक-दूसरे से भिड़ते दिखाई दिए। इस दौरान महिला अपने पति और भाई के बीच हो रही मारपीट को रोकने के लिए लगातार प्रयास करती रही। वह कभी भाई के सामने हाथ जोड़ती तो कभी पति को समझाने की कोशिश करती नजर आई। महिला के इस प्रयास का वीडियो किसी व्यक्ति ने बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।स्थानीय लोगों के अनुसार थाना गेट जैसे स्थान पर विवाद होने के बावजूद काफी देर तक कोई जिम्मेदार मौके पर नहीं पहुंचा। इसी को लेकर लोग पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

ठेके पर ले गए कैंटर, दो साल बाद भी नहीं लौटाया

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। कस्बे के गंगेरू मार्ग निवासी युवक ने सहारनपुर निवासी दो लोगों पर कैंटर गाड़ी ठेके पर ले जाकर वापस नहीं करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने रविवार को थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कस्बे के गंगेरू मार्ग निवासी नौशाद ने बताया कि उसने वर्ष 2024 में 22 फीट का कैंटर खरीदा था। आरोप है कि सहारनपुर जनपद के दो लोग कैंटर को ठेके पर चलाने के लिए ले गए थे। करीब दो वर्ष बीत जाने के बाद भी न तो कैंटर वापस किया गया और न ही उसके रुपये लौटाए गए। पीड़ित का आरोप है कि कैंटर को कहीं गायब कर दिया गया है। आरोप है कि वह पिछले दो वर्षों से अधिकारियों के चक्कर लगा रहा है, लेकिन समस्या का समाधान नही हुआ, पीड़ित ने थाने पहुंचकर तहरीर दी और कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नेपाल त्रासदी में मानवता की मदद को आगे आई नेकी की दीवार, पांच सदस्यीय टीम जाएगी नेपाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। नेपाल में आई भीषण प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए पूरनपुर की सामाजिक संस्था नेकी की दीवार ने मानवीय पहल शुरू की है। संस्था की ओर से पीड़ितों तक आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाने के उद्देश्य से पांच सदस्यीय टीम आगामी 2 सितंबर 2026 को नेपाल के लिए रवाना होगी।नेपाल में हाल में आई भयावह बाढ़ और भूस्खलन से बड़े पैमाने पर जनजीवन प्रभावित हुआ है। कई इलाकों में लोगों को जान-माल का नुकसान उठाना पड़ा है और राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नेपाल के लिए सहायता पहुंचाई जा रही है। इसी मानवीय संकट को देखते हुए नेकी की दीवार सामाजिक संस्था, पूरनपुर ने नेपाल जाकर जरूरतमंदों की मदद करने का निर्णय लिया है। संस्था की पांच सदस्यीय टीम प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर वहां की वास्तविक परिस्थितियों और जरूरतों का आकलन करेगी। इसके बाद जरूरत के अनुसार राहत सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जाएगा। संस्था के अनुसार टीम एपीएफ के डीआईजी से भी मुलाकात करेगी और प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को लेकर विचार-विमर्श करेगी। संस्था का उद्देश्य केवल राहत सामग्री वितरित करना ही नहीं, बल्कि आपदा से प्रभावित परिवारों की वास्तविक आवश्यकताओं को समझकर उन्हें उपयोगी सहायता उपलब्ध कराना है। टीम स्थानीय स्तर पर जरूरतमंद लोगों से संपर्क कर आवश्यक सामग्री की जानकारी जुटाएगी और मानवीय सहयोग को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का प्रयास करेगी।संस्था ने इस पहल में समाज के लोगों से सहयोग और सहभागिता की अपील की है। नेकी की दीवार का संदेश है कि संकट की घड़ी में इंसानियत की सीमाएं नहीं होतीं और जरूरतमंद की मदद करना ही सबसे बड़ी सेवा है।संस्था की ओर से जारी अपील में कहा गया है कि जब मानवता पुकारती है, तो सेवा ही हमारी पहचान होती है। नेपाल की त्रासदी के बीच पूरनपुर से शुरू की गई यह पहल भारत-नेपाल के मानवीय रिश्तों और आपदा के समय एक-दूसरे के साथ खड़े होने की भावना को मजबूत करने वाली है।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस ने बढ़ाया जागरूकता अभियान

आपात स्थिति में 112 और महिला सहायता के लिए 1090 का बताया महत्व

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर पुलिस विभाग की ओर से मिशन शक्ति अभियान 5.0 के द्वितीय चरण के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में थाना न्यूरिया, थाना कोतवाली तथा महिला थाना की मिशन शक्ति टीमों ने अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचकर बालिकाओं, महिलाओं और आमजन को महिला सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। अभियान के दौरान मिशन शक्ति टीमों ने महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की परेशानी, छेड़छाड़, उत्पीड़न, घरेलू हिंसा अथवा असुरक्षा की स्थिति में चुप न रहें और तत्काल पुलिस या संबंधित हेल्पलाइन की सहायता लें। टीमों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने तथा अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए भी प्रेरित किया।जागरूकता कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीमों ने विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। महिलाओं और बालिकाओं को 1090 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन तथा 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन के बारे में बताया गया। पुलिस ने समझाया कि साइबर ठगी अथवा ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार होने पर बिना देरी किए 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे ठगी की रकम को रोकने के प्रयास किए जा सकें।मिशन शक्ति टीमों ने बालिकाओं को सोशल मीडिया का सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल करने, अनजान लोगों से ऑनलाइन संपर्क में सावधानी बरतने तथा अपनी निजी जानकारी साझा न करने के लिए भी जागरूक किया। महिलाओं से किसी भी आपात स्थिति में पुलिस की मदद लेने और आसपास होने वाली संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने की अपील की गई।थाना न्यूरिया, थाना कोतवाली और महिला थाना की टीमों ने अभियान के दौरान आमजन से महिला एवं बालिका सुरक्षा में सहयोग करने का आह्वान किया। पुलिस ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के साथ उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और स्वावलंबी बनाना है। पुलिस की ओर से इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम लगातार जारी रखने की बात कही गई।

शॉर्ट सर्किट से गंगेरू बिजलीघर में लगी भीषण आग, कई उपकरण जले

कांधला (वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू स्थित बिजलीघर में रविवार को तारों में शॉर्ट सर्किट होने से भीषण आग लग गई। आग लगते ही बिजलीघर में तैनात कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और ट्रांसफार्मर सहित कई विद्युत उपकरण इसकी चपेट में आ गए। आसमान में धुएं का गुबार छा गया, जिसे देखकर आसपास के ग्रामीणों में भी हड़कंप मच गया।बताया गया कि शॉर्ट सर्किट के बाद ट्रांसफार्मर में आग लगी। ट्रांसफार्मर का तेल गिरने से आग तेजी से फैल गई और बिजलीघर के अन्य उपकरण भी जलने लगे। तैनात कर्मचारियों ने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए चलती लाइन को हटाकर विद्युत आपूर्ति बंद कराई।इससे बड़ा हादसा होने से टल गया।सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची। चौकी प्रभारी योगेश शर्मा ने भी मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से आग बुझाने में सहयोग किया। दमकलकर्मियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक कई विद्युत उपकरण और ट्रांसफार्मर जलकर क्षतिग्रस्त हो चुके थे।जेई किशोर गौतम ने बताया कि आग लगने से कई उपकरण और ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिसके चलते क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई है। कर्मचारी विद्युत आपूर्ति सुचारू कराने के लिए कार्य में जुटे हैं। जल्द ही आपूर्ति बहाल कराने का प्रयास किया जा रहा है।

बाढ़ में कटा घुंघचाई-दियूरिया मार्ग बदहाल, किसान नेता ने अफसरों को जगाया

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। पूरनपुर- घुंघचाई होते हुए दियूरिया जाने वाले महत्वपूर्ण मार्ग पर जंगल क्षेत्र के अंदर बाढ़ के कारण मुख्य सड़क कट जाने से आवागमन बाधित होने की स्थिति बन गई है। मामले की जानकारी मिलने पर किसान नेता देवस्वरूप पटेल रविवार को मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त मार्ग का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान किसान नेता ने मौके से ही लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता राजेश चौधरी से फोन पर वार्ता कर सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की। इस पर अधिशासी अभियंता ने आश्वासन दिया कि मंगलवार से मरम्मत कार्य शुरू कराया जाएगा और करीब 100 मीटर कटे हुए मार्ग को एक सप्ताह के भीतर दुरुस्त कर आवागमन सुचारू करने का प्रयास किया जाएगा।किसान नेता देवस्वरूप पटेल ने बताया कि यह मार्ग पूरनपुर और बीसलपुर तहसील के बीच आवागमन का महत्वपूर्ण एवं कम दूरी वाला रास्ता है। इस सड़क के माध्यम से दोनों तहसीलों के दर्जनों गांव जुड़े हुए हैं। मार्ग के क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।उन्होंने कहा कि केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद का स्पष्ट निर्देश है कि क्षेत्र की जनसमस्याओं का तत्काल संज्ञान लेकर उनका समाधान कराया जाए। इसी उद्देश्य से वह मौके पर पहुंचे हैं, ताकि बाढ़ से कटे मार्ग की शीघ्र मरम्मत कराकर ग्रामीणों को राहत दिलाई जा सके।किसान नेता ने लोक निर्माण विभाग से मार्ग की मरम्मत जल्द शुरू कर निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा कराने की मांग की, जिससे पूरनपुर और बीसलपुर तहसील के बीच आवागमन पुनः सुचारू हो सके।

देसी शराब की तस्करी करते युवक गिरफ्तार, 16पव्वे बरामद

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। पुलिस ने गश्त के दौरान देसी शराब की तस्करी करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 16 पव्वे देसी शराब बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया है। रविवार को थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में सुरक्षा की दृष्टि से गश्त कर रही थी। इसी दौरान सलेमपुर मार्ग पर पुलिस ने संदिग्ध युवक को पकड़कर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 16 पव्वे देसी शराब बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम जीशान निवासी नूरकुआं, शामली बताया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए उसका चालान कर दिया है।

गड्ढों में तब्दील रेलवे मार्ग, राहगीरों को परेशानी

कांधला (वेलकम इंडिया)। कस्बे के रेलवे मार्ग पर माता मंदिर के निकट सड़क की हालत लंबे समय से बदहाल बनी हुई है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो जाने के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश होने पर इन गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क की स्थिति और अधिक खराब हो जाती है। इससे राहगीरों को गड्ढों का अंदाजा नहीं लग पाता और हादसे का खतरा बना रहता है।स्थानीय लोगों के अनुसार, रेलवे मार्ग कस्बे के प्रमुख मार्गों में शामिल है और दिनभर इस मार्ग से बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। इसके बावजूद सड़क की मरम्मत और निर्माण की ओर पालिका अधिकारियों का पर्याप्त ध्यान नहीं है। सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। कई बार वाहन चालक गड्ढों से बचने के प्रयास में अनियंत्रित भी हो जाते हैं। पूर्व सभासद लोकेश उर्फ पिंटू गोयल ने बताया कि पालिका की अनदेखी के चलते सड़क काफी समय से जर्जर हालत में है। सड़क निर्माण को लेकर कई बार अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने पालिका अधिकारियों से जल्द से जल्द सड़क का निर्माण कराकर राहगीरों को राहत दिलाने की मांग की है।पालिका के लिपिक अशोक कुमार ने बताया कि रेलवे मार्ग की सड़क के निर्माण का प्रस्ताव भेजा जा चुका है। प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद जल्द ही सड़क का निर्माण कराया जाएगा।

नन्दगंज स्टेशन और यार्ड का डीआरएम आशीष जैन ने किया व्यापक निरीक्षण, यात्री सुविधा व रेल संरक्षा पर दिया विशेष जोर

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और बेहतर रेल यात्रा उपलब्ध कराने के साथ रेल परिचालन में संरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन ने रविवार को नन्दगंज रेलवे स्टेशन एवं यार्ड का व्यापक निरीक्षण किया। डीआरएम ने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं से लेकर परिचालन और संरक्षा से जुड़ी तकनीकी व्यवस्थाओं तक का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा संरक्षा मानकों के अनुपालन में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीआरएम आशीष जैन ने सबसे पहले नन्दगंज स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया और प्लेटफॉर्म की व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने फुट ओवर ब्रिज, पेयजल, साफ-सफाई और यात्रियों के लिए उपलब्ध अन्य सुविधाओं का निरीक्षण कर उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। संबंधित पर्यवेक्षकों को स्टेशन परिसर में स्वच्छता बनाए रखने और यात्री सुविधाओं का नियमित रख-रखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीआरएम ने कहा कि रेलवे स्टेशन पर आने वाले यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं सुचारु रूप से मिलनी चाहिए। स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म की साफ-सफाई के साथ यात्री सुविधाओं के रख-रखाव में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। किसी सुविधा में खराबी या कमी सामने आने पर उसका समय रहते समाधान किया जाए। रेल परिचालन की सुरक्षा को लेकर डीआरएम ने स्टेशन पर स्थापित विभिन्न संरक्षा एवं सिग्नलिंग उपकरणों की भी गहन जांच की। उन्होंने केंद्रीकृत स्टेशन पैनल, वीडर काउंटर, रिले रूम, लॉक एंड ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट, एक्सल काउंटर और आईपीएस रूम की कार्यप्रणाली एवं रख-रखाव की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विफलता रजिस्टर, अनुरक्षण रजिस्टर, रिले रूम चाबी हस्तांतरण रजिस्टर, पॉइंट एवं क्रॉसिंग रजिस्टर तथा स्टेशन वर्किंग रूल से संबंधित महत्वपूर्ण अभिलेखों का भी अवलोकन किया। कर्मचारियों से ट्रेनों के सुरक्षित और सुचारु परिचालन से जुड़े सवाल किए तथा उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि रेल परिचालन के दौरान निर्धारित संरक्षा नियमों और प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन किया जाए। ड्यूटी के दौरान सतर्कता में किसी भी स्तर पर कमी गंभीर परिणाम का कारण बन सकती है, इसलिए प्रत्येक कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी का पूरी सजगता से निर्वहन करे। डीआरएम ने नन्दगंज स्टेशन यार्ड का भी निरीक्षण किया। सुरक्षित रेल परिचालन की दृष्टि से उन्होंने यार्ड में स्थित पॉइंट एवं क्रॉसिंग संख्या 204 बी का संरक्षा निरीक्षण किया। इस दौरान ट्रैक फिटिंग, स्विच रेल, स्टॉक रेल, क्रॉसिंग, चेक रेल और पॉइंट मशीन समेत संबंधित उपकरणों एवं संरक्षा व्यवस्थाओं की स्थिति को बारीकी से परखा गया। उन्होंने अधिकारियों को ट्रैक एवं पॉइंट-क्रॉसिंग का निर्धारित समय पर निरीक्षण करने और आवश्यक अनुरक्षण कार्य में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतने के निर्देश दिए।

किसानों की एकजुटता को मजबूत करने में जुटी भाकियू महाशक्ति, अजनारा में संगठन का विस्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। भारतीय किसान यूनियन (महाशक्ति) की ओर से संगठन विस्तार एवं सदस्यता अभियान को गति देने के लिए रविवार को ब्लॉक शिकारपुर के गांव अजनारा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष चौधरी जितेंद्र सिरोही ने संगठन का विस्तार करते हुए नए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी। इस दौरान किसानों की विभिन्न समस्याओं और उनके अधिकारों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष ने किसानों से संगठन से जुड़ने और अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए मजबूत संगठन और आपसी एकजुटता बेहद जरूरी है। नवनियुक्त पदाधिकारियों का भारतीय किसान यूनियन (महाशक्ति) परिवार की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों का विश्वास ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। इस अवसर पर चौधरी जितेंद्र सिरोही ने कहा कि संगठन का उद्देश्य किसानों की आवाज को मजबूती से उठाना और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करना है। उन्होंने कहा कि संगठन ही शक्ति है और किसान की एकता ही किसान का भविष्य है।

पूर्व विधायक धीरज ओझा ने राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी का लखनऊ पहुंचकर किया भव्य स्वागत

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ एवं अनुभवी संगठनकर्ता, बस्ती के पूर्व सांसद, असम भाजपा प्रभारी तथा नवनियुक्त राष्ट्रीय महामंत्री आदरणीय श्री हरिश द्विवेदी जी के लखनऊ प्रथम आगमन पर हजारों कार्यकताओं एवं समर्थकों के साथ भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर कार्यकताओं में विशेष उत्साह एवं उल्लास देखने को मिला। ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा एवं जयघोष के बीच आदरणीय श्री हरिश द्विवेदी जी का आत्मीय स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकताओं ने उनके प्रति अपनी शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर कहा गया कि आदरणीय श्री हरिश द्विवेदी जी का संगठनात्मक जीवन लंबे अनुभव, कर्मठता, समर्पण और कार्यकताओं के साथ निरंतर संवाद के लिए जाना जाता है। उन्होंने संगठन के विभिन्न दायित्वों का पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बस्ती के सांसद के रूप में भी उन्होंने क्षेत्र के विकास एवं जनसेवा के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। राष्ट्रीय महामंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्व पर उनकी नियुक्ति से देशभर के भाजपा कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे। कार्यकताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है। उनके व्यापक संगठनात्मक अनुभव, कुशल नेतृत्व क्षमता एवं कार्यकताओं से आत्मीय जुड़ाव का लाभ निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी को प्राप्त होगा तथा संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावशाली बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। इस अवसर पर नवनियुक्त राष्ट्रीय महामंत्री हरिश द्विवेदी जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके सफल, यशस्वी एवं गौरवपूर्ण कार्यकाल की मंगलकामना की गई। इस अवसर पर मेरे साथ प्रमुख रूप से जिला मंत्री अंगद मौर्या, नीरज ओझा, हरदेव पटेल, गौरव तिवारी, हर्ष ओझा, सुनील दुबे, जीशान खान, विवेक शुक्ला, राकेश मिश्रा, मोहम्मद हफीज, अवनीश मिश्रा, अनिल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

संत कबीर की प्राकट्य स्थली लहरतारा में रोटरी क्लब कबीर ने किया वृक्षारोपण

छायादार और फलदार पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, महंत गोविंद दास शास्त्री ने की पहल की सराहना

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। संत कबीर साहब की प्राकट्य स्थली लहरतारा में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रोटरी क्लब कबीर वाराणसी की ओर से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान परिसर में छायादार एवं फलदार पौधे रोपे गए। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को हरा-भरा रखने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रोटरी क्लब कबीर के अध्यक्ष डॉ. अजय दुबे ने की। कार्यक्रम संत कबीर प्राकट्य स्थल के महंत गोविंद दास शास्त्री के सानिध्य एवं आशीर्वाद में संपन्न हुआ। क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए और उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष डॉ. अजय दुबे ने कहा कि संत कबीर साहब ने अपने विचारों और वाणी के माध्यम से मानवता, प्रकृति और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया। ऐसे में उनकी प्राकट्य स्थली को हरा-भरा और स्वच्छ रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को संतुलित रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य की नींव भी हैं। रोटरी क्लब कबीर आगे भी पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों को निरंतर बढ़ावा देता रहेगा। महंत गोविंद दास शास्त्री ने रोटरी क्लब कबीर की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि संत कबीर की प्राकट्य स्थली पर लगाए गए पौधे आने वाले समय में बड़े वृक्ष बनेंगे और यहां आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को छाया के साथ शुद्ध वायु भी प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाए रखने के साथ-साथ वहां हरियाली विकसित करना भी सेवा का महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केवल पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों को वृक्ष बनने तक उनकी नियमित देखभाल करना भी जरूरी है। कार्यक्रम में रोटरी क्लब कबीर के पूर्व अध्यक्ष अमर चंद्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पवन केसरी, सदस्य अशोक मौर्य, वीरेंद्र, अशोक राय सहित वेद प्रकाश मिश्रा, डॉ. भागीरथी दास, प्रहलाद दास, दयाल दास तथा क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में महंत गोविंद दास शास्त्री ने उपस्थित अतिथियों एवं क्लब के सदस्यों का स्वागत किया। सभी को प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन के दौरान उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण और परिसर को हरित बनाने के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

डीएलडब्ल्यू मजदूर संघ के अधिवेशन में 16 सूत्रीय प्रस्ताव पारित, बीएलडब्ल्यू मजदूर संघ के नाम से नई कार्यकारिणी हुई गठित

वेलकम इंडिया/ संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) के प्रमुख श्रमिक संगठन डीएलडब्ल्यू मजदूर संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन रविवार को 16 सूत्रीय प्रस्ताव पारित करने और नई कार्यकारिणी के गठन के साथ संपन्न हुआ। अधिवेशन में बरेका में उत्पादन बढ़ाने, कर्मचारियों को प्रोत्साहन भत्ता देने, रुकी हुई पदोन्नतियों को गति देने, रिक्त पदों को भरने, कैडर रीस्ट्रक्चरिंग का लाभ देने, चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार करने और कर्मचारियों से जुड़ी अन्य समस्याओं के समाधान की मांग प्रमुखता से उठाई गई। अधिवेशन में संगठन का नाम बदलकर बीएलडब्ल्यू मजदूर संघ करने का भी निर्णय लिया गया। अधिवेशन के मुख्य अतिथि भारतीय मजदूर संघ के उपाध्यक्ष एवं रेलवे प्रभारी अशोक कुमार शुक्ला ने संगठन की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि डीएलडब्ल्यू मजदूर संघ ने भारतीय रेलवे के संगठित एवं असंगठित श्रमिकों के कल्याण के लिए अनेक कार्य किए हैं। उन्होंने श्रमिकों से व्यक्तिगत हित, जाति-पाति, ऊंच-नीच और अपने-पराये की भावना से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। अधिवेशन में कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, पूर्व विधायक रोहनिया सुरेंद्र नारायण सिंह, भारतीय मजदूर संघ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष विश्वेश्वर राय तथा भारतीय रेलवे मजदूर संघ के संगठन मंत्री राधा बल्लभ त्रिपाठी की उपस्थिति रही। महामंत्री कृष्ण मोहन तिवारी ने संगठन की ओर से अब तक किए गए कार्यों का विवरण एवं लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। इसके बाद कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए 16 सूत्रीय प्रस्ताव पारित किए गए। अधिवेशन में बरेका में उत्पादन लक्ष्य कम किए जाने पर चिंता जताई गई। प्रस्ताव में कहा गया कि रेलवे बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2026-27 और 2027-28 के लिए बरेका को क्रमशः 460 और 226 लोकोमोटिव के उत्पादन का लक्ष्य दिया है, जो पिछले कई वर्षों की तुलना में काफी कम है। संगठन ने कहा कि बरेका अब तक करीब 11 हजार लोकोमोटिव का निर्माण कर चुका है और देश में वंदे भारत ट्रेनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में बरेका के कर्मचारियों की विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए यहां वंदे भारत ट्रेन के कोच निर्माण की जिम्मेदारी भी दी जानी चाहिए। संगठन का कहना है कि इससे बरेका के उत्पादन को नई दिशा मिलने के साथ काशी और पूर्वांचल के विकास को भी गति मिलेगी। अधिवेशन में बरेका के कर्मचारियों को 70 प्रतिशत की दर से प्रोत्साहन भत्ता देने की मांग की गई। तकनीकी संवर्ग के कर्मचारियों को लेवल-3 और लेवल-4 की वर्तमान व्यवस्था से आगे बढ़ाते हुए एमएसीपी योजना का लाभ लेवल-7 तक देने की मांग भी उठाई गई। इसके अलावा रेलवे कर्मचारियों को मिलने वाले पीएलबी बोनस की सीलिंग 7 हजार रुपये से बढ़ाकर 21 हजार रुपये करने की मांग की गई। संगठन ने कहा कि बरेका से रेलवे बोर्ड, अन्य रेलवे एवं दूसरे विभागों में बड़ी संख्या में पद स्थानांतरित किए गए हैं और कई पद सरेंडर भी किए गए हैं। इसके कारण कई संवर्गों में पदोन्नति की प्रक्रिया प्रभावित हुई है और कर्मचारियों में निराशा का माहौल है।

सवर्ण आर्मी आज प्रतापगढ़ में उतरेगी सडको पर

प्रतापगढ़(वेलकम इंडिया)। जातिगत आरक्षण खत्म कर आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने समेत पांच सूत्रीय मांगों को लेकर ह्यसवर्ण आर्मी-प्रतापगढ़ह्ल ने अब सड़क पर उतरने का ऐलान कर दिया है। संगठन की ओर से 31 अगस्त को वर्मा नगर से प्रतापगढ़ तक मार्च निकालकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपने की घोषणा की गई है। इस दौरान जिले के कई प्रमुख बाजारों और कस्बों से होकर कार्यकर्ता आगे बढ़ेंगे। सवर्ण आर्मी द्वारा जूलूस की शुरूआत सुबह 9 बजे लालगंज तहसील के वर्मा नगर से होगी। इसके बाद जूलूस लालगंज 9:30 बजे, संगरा 10:15 बजे, रानीगंज 11 बजे और दोपहर 12:30 बजे प्रतापगढ़ पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपेगा। संगठन ने अपनी मांगों में जातिगत आरक्षण समाप्त कर आरक्षण को आर्थिक आधार पर लागू करने, यूजीसी कानून को वापस लेने, समान शिक्षा और समान अधिकार देने, एससी-एसटी एक्ट में बदलाव तथा सवर्ण आयोग के गठन की मांग प्रमुखता से उठाई है। इसके अलावा 21 अगस्त 2026 को जंतर-मंतर पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज के विरोध को भी आंदोलन का मुद्दा बनाया गया है। सवर्ण आर्मी की ओर से जारी इस कार्यक्रम ने साफ कर दिया है कि आरक्षण और समान अधिकार के मुद्दे को लेकर संगठन अब सड़क पर अपनी ताकत दिखाने की तैयारी में है।

प्रतापगढ़ मे बारिश से फिर गिरा मकान गृहस्थी दबी लेकिन सभी सुरक्षित

प्रतापगढ़ (वेलकम इंडिया)। विकासखंड बाबागंज अंतर्गत नगर पंचायत हीरागंज के वार्ड नंबर-11 फतुहाबाद में लगातार हो रही बारिश के बीच शनिवार की रात एक कच्चा मकान भरभराकर गिर गया। हादसे में मकान में रखी पूरी गृहस्थी मलबे में दबकर नष्ट हो गई। गनीमत रही कि घटना के समय मकान मालकिन घर पर मौजूद नहीं थीं, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। बताया गया कि कैलाशा देवी पत्नी स्वर्गीय धुन्नीलाल लंबे समय से कच्चे मकान में रहकर गुजर-बसर कर रही थीं। लगातार हो रही बारिश के कारण मकान में सीलन बढ़ती गई और शनिवार की रात अचानक मकान भरभराकर धराशायी हो गया। घटना के समय कैलाशा देवी अपने मायके गई हुई थीं, जिसके चलते उनकी जान बच गई। हालांकि मकान के मलबे में घर-गृहस्थी का सामान दबकर नष्ट हो गया, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कैलाशा देवी के चार बच्चे हैं, जो वर्तमान में अलग-अलग रहते हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित महिला की स्थिति को देखते हुए आवास योजना के तहत पक्का मकान उपलब्ध कराने तथा तत्काल आर्थिक एवं आवश्यक सहायता मुहैया कराने की मांग की है।

सांनवी हॉस्पिटल की दूसरी वर्षगांठ पर लगा विशाल निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 250 से अधिक मरीजों ने कराया परीक्षण

करीब 75 मरीजों की निशुल्क रक्त जांच, जरूरतमंदों को बांटी गईं दवाएं; गरीब परिवारों के लिए फैमिली हेल्थ कार्ड योजना शुरू

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। मडुआडीह मोड़, मोढ़ैला रोड स्थित महेश्वरी मार्बल्स के समीप सांनवी हॉस्पिटल की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर रविवार को विशाल निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। जनसेवा और जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित शिविर में सुबह नौ बजे से दोपहर दो बजे तक बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे। शिविर में 250 से अधिक मरीजों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श कराया गया। शिविर में बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों समेत विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने पहुंचकर अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच कराई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की स्वास्थ्य जांच करने के साथ उन्हें बीमारी से बचाव, खानपान, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, बेहतर जीवनशैली और समय पर उपचार के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। अस्पताल परिसर में मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए पंजीकरण से लेकर जांच और चिकित्सकीय परामर्श तक की व्यवस्थाएं व्यवस्थित रूप से संचालित की गईं। शिविर में प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एसके तिवारी ने बच्चों से जुड़ी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच कर अभिभावकों को आवश्यक परामर्श दिया। एनोरेक्टल सर्जन डॉ. शर्मिला तिवारी ने पेट एवं गुदा रोगों से संबंधित मरीजों का परीक्षण किया। न्यूरोसर्जन डॉ. कुमार आशीष ने मस्तिष्क एवं नसों से संबंधित समस्याओं से पीड़ित मरीजों को चिकित्सकीय सलाह दी। चेस्ट फिजिशियन डॉ. रविंद्र ने सांस, फेफड़े और छाती से संबंधित रोगों की जांच की, जबकि स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रतिभा ने महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर परामर्श दिया। इसके अलावा डॉ. विनय मिश्रा, डॉ. अंबुज सहित अन्य चिकित्सकों ने भी मरीजों की जांच एवं परामर्श में सहयोग किया। स्वास्थ्य शिविर के दौरान करीब 75 मरीजों की निशुल्क रक्त जांच भी कराई गई। जांच के माध्यम से मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति का आकलन किया गया, ताकि जरूरत के अनुसार उन्हें समय पर उचित उपचार एवं चिकित्सकीय सलाह दी जा सके। चिकित्सकों की सलाह के अनुसार मरीजों को निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। इससे आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों को विशेष राहत मिली। सांनवी हॉस्पिटल की दूसरी वर्षगांठ पर गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए फैमिली हेल्थ कार्ड योजना की शुरूआत एवं विस्तार भी किया गया। अस्पताल प्रबंधन की ओर से करीब 1000 जरूरतमंद मरीजों एवं परिवारों को फैमिली हेल्थ कार्ड उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। कार्ड धारकों को अस्पताल में उपचार सामान्य निर्धारित शुल्क की तुलना में लगभग आधी दर पर उपलब्ध कराया जाएगा। डॉ. एसके तिवारी ने कहा कि आर्थिक स्थिति किसी भी व्यक्ति के इलाज में बाधा नहीं बननी चाहिए। इसी उद्देश्य से जरूरतमंद परिवारों को किफायती दर पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए फैमिली हेल्थ कार्ड योजना को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अस्पताल का प्रयास है कि जरूरतमंद लोगों को समय पर उपचार और चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध हो सके। शिविर में चिकित्सकों ने लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि किसी भी बीमारी के शुरूआती लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने से कई गंभीर बीमारियों की प्रारंभिक अवस्था में पहचान संभव है और समय रहते उपचार शुरू किया जा सकता है। चिकित्सकों ने बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने लोगों से संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। चिकित्सकों का कहना था कि बीमारी का इलाज कराने से बेहतर है कि नियमित जांच और सावधानी के माध्यम से बीमारी से बचाव किया जाए। शिविर के सफल आयोजन में राहुल सहित सांनवी हॉस्पिटल के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्टाफ ने मरीजों के पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच, रक्त परीक्षण, चिकित्सकों से परामर्श, दवा वितरण सहित अन्य व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित किया। मरीजों को संबंधित विशेषज्ञ चिकित्सकों तक पहुंचाने और जांच के दौरान आवश्यक सहयोग भी दिया गया। शिविर में पहुंचे मरीजों और उनके परिजनों ने सांनवी हॉस्पिटल की इस पहल की सराहना की। लोगों ने कहा कि निशुल्क स्वास्थ्य जांच के साथ विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श और दवाइयों की सुविधा जरूरतमंद परिवारों के लिए काफी उपयोगी रही। अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर को केवल आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

वर्ल्ड रोबोटिक्स चैंपियनशिप (नेशनल) में सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल का ऐतिहासिक प्रदर्शन

देश के टॉप-10 में बनाई जगह, बनी नॉर्थ इंडिया की नंबर-1 टीम

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। हैदराबाद में आयोजित तीन दिवसीय प्रतिष्ठित वर्ल्ड रोबोटिक्स चैंपियनशिप (नेशनल) में सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष्ट तकनीकी कौशल, कोडिंग दक्षता और नवाचार का शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय एवं समूचे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। देशभर के विभिन्न जोन से चयनित होकर आईं शीर्ष 120 विजेता टीमों के बीच आयोजित इस अत्यंत कड़े और बहुस्तरीय राष्ट्रीय मुकाबले में सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल की टीम ने अपनी अद्वितीय प्रतिभा का लोहा मनवाया। रोबो मिशन (सीनियर कैटेगरी) में शीर्ष 9वीं रैंकः प्रतियोगिता की सबसे चुनौतीपूर्ण और तकनीकी 'रोबो मिशन - सीनियर कैटेगरी' के अंतर्गत सुरेविन की टीम ने देश भर की शीर्ष टीमों को पीछे छोड़ते हुए 9वीं रैंक हासिल कर टॉप-10 में अपना स्थान सुनिश्चित किया।

उत्तर भारत की नंबर-1 टीमः राष्ट्रीय पटल पर शीर्ष 10 में स्थान बनाकर सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल समूचे उत्तर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली सर्वश्रेष्ठ टीम बनकर उभरी। 120 जोनल चैंपियंस के बीच मुकाबलाः तीन दिनों तक चले इस राष्ट्रीय महाकुंभ में विद्यार्थियों ने देश भर के 120 रीजनल विजेता स्कूलों की टीमों को कड़ी टक्कर देते हुए रोबोट डिजाइनिंग, ऑटोमेशन और त्वरित प्रॉब्लम-सॉल्विंग क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतिभाशाली विजेता टीमःराष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराने वाली सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल की इस गौरवशाली टीम में शिवांगी, आराध्या, अवनी गर्ग, अवनी चौधरी, अंतरिक्ष, रिहान, अवध राठी, आरोही और शैवी शामिल रहे। इन भविष्य के तकनीकी एंबेसडर्स ने अपनी कड़ी मेहनत और तकनीकी समझ से यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया।इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. सरिता सिंधु ने बताया कि इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सफलता पाने के लिए बहुत ही व्यवस्थित, फोकस्ड तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ उच्च स्तरीय प्रॉब्लम-सॉल्विंग और लॉजिकल स्किल्स की आवश्यकता होती है।

विद्यार्थी साल भर के कठिन परिश्रम और निरंतर अभ्यास के पश्चात ही इस स्तर की प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनिश्चित कर पाते हैं। उन्होंने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि सुरेविन के विद्यार्थी ऐसी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में निरंतर प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा और कौशल का लोहा मनवा रहे हैं। विद्यार्थियों की इस ऐतिहासिक सफलता पर स्कूल प्रबंधक तुषार गुप्ता, डॉ. शिखा दरबारी, डॉ. रीता वार्ष्णेय एवं स्कूल प्रबंधन के अन्य गणमान्य सदस्यों ने सभी प्रतिभागी छात्रों, उनके तकनीकी प्रशिक्षकों (मेंटर्स) और पूरे विद्यालय स्टाफ को हार्दिक बधाई दी। यह उपलब्धि भारत सरकार के 'मिशन इनोवेशन' एवं 'एआई इंटीग्रेटेड एजुकेशन' को विद्यालयी पाठ्यक्रम में प्रभावी ढंग से लागू करने के निरंतर प्रयासों का सुखद परिणाम है।

एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी में गूंजे स्टार्टअप के नए आइडिया, यूरेका में मेंटिस ने मारी बाजी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। डासना स्थित एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों के भीतर छिपी उद्यमिता और नवाचार की प्रतिभा को मंच देने के लिए 'यूरेका! पिचिंग प्रतियोगिता-2026' का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय की पहल और ई-सेल एसजीयू के सहयोग से आयोजित प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने नए कारोबारी विचार, समस्या के समाधान पर आधारित योजनाएं और संभावित प्रभाव निर्णायक मंडल के सामने प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के लिए कुल 27 टीमों ने पंजीकरण कराया था, जबकि 17 टीमों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने अपने विचारों को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत कर विशेषज्ञों से सीधे सुझाव और मार्गदर्शन भी प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय के निदेशक प्रो. (डॉ.) जयदीप कुमार के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने अतिथियों, निर्णायकों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों को नए विचारों को व्यावहारिक रूप देने तथा चुनौतियों को अवसर में बदलने के लिए प्रेरित किया।

रोडवेज में टिकट का खेल पकड़ा, 289 यात्री धराए; 33 हजार जुमार्ना वसूला

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद रीजन की रोडवेज बसों में बिना टिकट सफर करने वालों के खिलाफ परिवहन निगम की जांच लगातार जारी है। अगस्त में अब तक विभिन्न बसों में बिना टिकट यात्रा करते हुए 289 यात्री पकड़े गए हैं। इन यात्रियों से करीब 33 हजार रुपये जुमार्ना वसूला गया है। जिस बस में बिना टिकट यात्री मिले, उसके परिचालक पर भी प्रति यात्री 500 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। अधिकारियों ने परिचालकों को लापरवाही मिलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। गाजियाबाद रीजन में कौशांबी, गाजियाबाद, साहिबाबाद, लोनी, हापुड़, सिकंदराबाद और बुलंदशहर समेत कई डिपो शामिल हैं। इनसे करीब 895 बसों का संचालन किया जाता है। परिवहन निगम की टीमें रोजाना बसों की जांच करती हैं। अधिकारियों के मुताबिक हर माह औसतन 250 से 400 यात्री बिना टिकट यात्रा करते पकड़े जाते हैं। ऐसे यात्रियों से नियमानुसार जुमार्ना वसूलने के साथ संबंधित परिचालक की जिम्मेदारी भी तय की जाती है। क्षेत्रीय प्रबंधक केसरी नंदन चौधरी ने बताया कि बिना टिकट पकड़े जाने पर यात्री से किराये के अलावा 500 रुपये या कुल किराये का 10 गुना तक जुमार्ना लगाया जाता है। नियम के अनुसार दोनों में से जो राशि कम होती है, वह मौके पर वसूल की जाती है। यदि यात्री के पास पर्याप्त रुपये नहीं होते तो उपलब्ध राशि के आधार पर जुमार्ना वसूला जाता है। वहीं, किसी बस में पांच या उससे अधिक यात्री बिना टिकट पाए जाने पर संबंधित परिचालक की संविदा समाप्त करने तक की कार्रवाई की जा सकती है। अधिकारियों के अनुसार दिन की तुलना में रात के समय बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या अधिक सामने आ रही है।

एसआरएम आईएसटी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पीसीआई बी.फार्मा पाठ्यक्रम 2026 पर विशेष व्याख्यान

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एसआरएम मोदीनगर कॉलेज ऑफ फामेर्सी, एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली-एनसीआर कैंपस, गाजियाबाद में फामेर्सी शिक्षा के बदलते स्वरूप और विद्यार्थियों के उज्ज्वल करियर की संभावनाओं को लेकर एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महादेव लाल श्रॉफ ऑडिटोरियम, फामेर्सी ब्लॉक में किया गया।

कार्यक्रम में प्रो. एमेरिटस डॉ. देवेंद्र पाठक, एमवीएन यूनिवर्सिटी, पलवल, हरियाणा एवं एडजंक्ट प्रोफेसर, हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली ने 'फार्मा सेक्टर में अवसर' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने फार्मास्युटिकल क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न करियर अवसरों, उद्योग की बदलती आवश्यकताओं तथा विद्यार्थियों के लिए कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. कमला पाठक, डायरेक्टर, रिसर्च एंड इनोवेशन, लॉयड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, ग्रेटर नोएडा ने 'एआई-संचालित परिदृश्य में फामेर्सी पेशेवरों के कौशल उन्नयन के लिए एनईपी-2020 के अनुरूप पीसीआई पाठ्यक्रम' विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि तकनीकी विकास और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में फामेर्सी विद्यार्थियों के लिए नए कौशल एवं तकनीकी दक्षताओं का विकास अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में 'पीसीआई बी.फार्मा पाठ्यक्रम 2026: एनईपी 2020 के अनुसार' विषय भी प्रमुख रूप से चर्चा का केंद्र रहा। फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा 2026 के लिए संशोधित बी.फार्मा पाठ्यक्रम को एनईपी 2020 के अनुरूप तैयार किया गया है, जिसमें वैज्ञानिक आधार, व्यावहारिक एवं अनुभवात्मक शिक्षा, शोध अभिमुखता तथा पेशेवर दक्षताओं पर विशेष जोर दिया गया है। पाठ्यक्रम में एआई और डिजिटल तकनीकों जैसे उभरते क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है।पीसीआई ने नए बी.फार्मा पाठ्यक्रम को शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू करने तथा संस्थानों को इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण, दीप प्रज्ज्वलन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके बाद डॉ. मनीष पाल सिंह, प्रिंसिपल इंचार्ज, डिपार्टमेंट ऑफ फामेर्सी ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. प्रशांत कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ फामेर्सी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।विशेषज्ञों के व्याख्यान से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नई पीसीआई पाठ्यचर्या, एनईपी-2020 के अनुरूप फामेर्सी शिक्षा में हो रहे बदलाव, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका तथा फार्मास्युटिकल उद्योग में उभरते करियर अवसरों की उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को बदलते फार्मा क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को

भीषण गर्मी में बिजली ने छुड़ाए पसीने, लो-वोल्टेज और ट्रिपिंग ने बढ़ाई परेशानी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भीषण गर्मी के बीच ट्रांस हिंडन के लाखों लोगों को बिजली कटौती, लो-वोल्टेज और ट्रिपिंग की समस्या से जूझना पड़ रहा है। शनिवार रात और रविवार को कई इलाकों में घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रही। कहीं चार घंटे तो कहीं छह घंटे तक बिजली गुल रही। बार-बार ट्रिपिंग के कारण एसी, पंखे और कूलर भी ठीक से नहीं चल सके। इससे घरों में उमस और गर्मी से लोगों की हालत खराब रही। सबसे ज्यादा परेशानी छोटे बच्चों और बीमार बुजुर्गों को उठानी पड़ी। लोगों का आरोप है कि शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो रहा है। शालीमार गार्डन क्षेत्र में शनिवार देर रात करीब दो बजे बिजली कटौती शुरू हुई। स्थानीय लोगों के मुताबिक सुबह तक भी आपूर्ति सामान्य नहीं हो सकी। इससे कॉलोनी के हजारों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली नहीं होने के कारण लोग एसी, पंखे और कूलर नहीं चला सके। भीषण गर्मी में घरों में रहना मुश्किल हो गया। बच्चों और बीमार बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी हुई। वहीं, शहीदनगर में करीब चार घंटे बिजली कटौती के साथ ट्रिपिंग की समस्या बनी रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि कटौती अब रोज की समस्या बनती जा रही है। अर्थला कॉलोनी में करीब तीन घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रही। लोगों का कहना है कि गर्मी शुरू होने के बाद से ही उन्हें लगातार बिजली कटौती झेलनी पड़ रही है। वहीं वैशाली सेक्टर-3, इंदिरापुरम के नीतिखंड-2 व 3 और मकनपुर में दिनभर ट्रिपिंग होती रही। कई बार हाई-वोल्टेज की स्थिति भी बनी। गनीमत रही कि इससे बिजली उपकरणों को नुकसान नहीं हुआ। डेल्टा कॉलोनी के सूर्यनगर क्षेत्र में भी बार-बार ट्रिपिंग से लोग परेशान रहे। उपकरण फुंकने के डर से कई लोगों ने एसी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चलाने से परहेज किया।

कविनगर रामलीला मैदान में छिड़ी महाभारत, दो गुट आमने-सामने

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कविनगर मैदान में रामलीला के मंचन को लेकर श्री धार्मिक रामलीला समिति के दो गुटों के बीच विवाद और गहरा गया है। रविवार को विपुल कुमार शर्मा गुट ने कविनगर रामलीला मैदान में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन कर मंचन की तैयारियां शुरू कर दीं। वहीं, दूसरे गुट ने भूमि पूजन को अवैध बताते हुए जीडीए को पत्र भेजकर दोनों समितियों की वैधता को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। दूसरे गुट ने छह सितंबर को भूमि पूजन करने की तैयारी का दावा किया है। विवाद के कारण इस बार रामलीला के आयोजन को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है। रविवार को विपुल कुमार शर्मा गुट की ओर से कविनगर रामलीला मैदान में भूमि पूजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुए पूजन में सांसद अतुल गर्ग समेत शहर के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। भूमि पूजन के बाद मैदान में रामलीला मंचन को लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी गईं। समिति से जुड़े लोगों का कहना है कि आयोजन को लेकर तैयारियां निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ाई जा रही हैं। वहीं पूर्व महामंत्री राम गोपाल शर्मा के नेतृत्व वाले दूसरे गुट ने भूमि पूजन को अवैध करार दिया है। इस गुट से जुड़े पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर ने सवाल उठाया कि भूमि पूजन के लिए अनुमति ली गई थी या नहीं। दूसरे गुट ने जीडीए को पत्र भेजकर दोनों समितियों की वैधता स्पष्ट करने की मांग की है। उनका कहना है कि अधिकारियों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि दोनों में से कौन सी समिति वैध है।

सीएनजी ने बढ़ाई महंगाई की टेंशन, अब रसोई का बजट भी हो सकता है प्रभावित

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सीएनजी के दाम बढ़े का असर अब लोगों की जेब के साथ रसोई के बजट पर भी पडे की आशंका है। गाजियाबाद में सीएनजी की कीमत 3.89 रुपये प्रति किलो बढ़कर 95.39 रुपये पहुंच गई है। ईंधन महंगा होने से माल ढुलाई का खर्च बढे की बात किराना कारोबारियों और ट्रांसपोर्टरों ने कही है। कारोबारियों का अनुमान है कि इसका असर चीनी, दाल, चावल, आटा, मैदा, सूजी, खाद्य तेल, मसाले और नमक समेत रोजमर्रा के सामान पर पड़ सकता है। फिलहाल व्यापारी पुराने दाम पर ही सामान बेच रहे हैं, लेकिन ढुलाई का भाड़ा बढे पर कीमतों में पांच से 10 प्रतिशत तक वृद्धि की आशंका जताई जा रही है। गाजियाबाद में किराने का काफी सामान दिल्ली से आता है। छोटे मालवाहक वाहनों के जरिए यह सामान बाजार और कॉलोनियों की दुकानों तक पहुंचाया जाता है। कारोबारियों के मुताबिक इनमें 90 प्रतिशत से अधिक वाहन सीएनजी से चलते हैं। सीएनजी महंगी होने से वाहन संचालन की लागत बढ़ गई है, जिसका असर माल ढुलाई के भाड़े पर पड़ सकता है। किराना व्यापारी संदीप बंसल ने बताया कि दिल्ली से गाजियाबाद तक सामान लाने और फिर अलग-अलग दुकानों तक पहुंचाने में छोटे मालवाहक वाहनों का इस्तेमाल होता है। यदि ट्रांसपोर्टर भाड़ा बढ़ाते हैं तो इसका असर सामान की कीमत पर भी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल पुराने भाव पर ही बिक्री हो रही है, लेकिन ढुलाई लागत बढे पर किराने के दाम में पांच से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। जीटी रोड स्थित ट्रांसपोर्ट कंपनी के संचालक मंजीत सिंह ने बताया कि ईंधन की कीमतों में बार-बार बढ़ोतरी से ट्रांसपोर्टरों की परेशानी बढ़ रही है। उनका कहना है कि व्यापारी कई बार एक सप्ताह पहले ही माल की बुकिंग कर देता है। ऐसे में बुकिंग के बाद ईंधन महंगा होने पर किराया बढ़ाना आपसी संबंधों को प्रभावित करता है, जबकि किराया नहीं बढ़ाने पर ट्रांसपोर्टर को नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने सरकार से मांग की कि ईंधन की कीमतों में बदलाव की जानकारी कुछ दिन पहले दी जानी चाहिए, ताकि ट्रांसपोर्टर अपनी बुकिंग और किराया उसी हिसाब से तय कर सकें। सीएनजी महंगी होने का असर ऑटो, कैब और निजी वाहन चालकों पर भी पड़ेगा। लोहिया नगर निवासी कैब चालक प्रदीप कुमार ने बताया कि सीएनजी के दाम बढे से रोजाना ईंधन पर पहले की तुलना में अधिक खर्च करना पड़ेगा, जिससे कमाई और बचत दोनों प्रभावित होंगी। जिले में बड़ी संख्या में लोग निजी वाहनों में भी सीएनजी का इस्तेमाल करते हैं।

मोदी कॉलेज के छात्रों ने भारतीय मानक ब्यूरो की लेखन प्रतियोगिता में उत्साह के साथ लिया भाग

भारतीय मानक ब्यूरो उत्पादों पर आईएसआई मार्क और आभूषणों पर हॉल मार्किंग सुनिश्चित करता है: डॉ एस सी अग्रवाल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में भारतीय मानक ब्यूरो की प्रथम एक्टिविटी स्टैंडर्ड राइटिंग कंपटीशन का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 80 छात्रों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। जिसकी अध्यक्षता कालेज के प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद्र अग्रवाल द्वारा की गई। कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद्र अग्रवाल, रिसोर्स पर्सन श्रीमती प्रगति सिंह, मेंटर राजीव वर्मा ने भारतीय मानक ब्यूरो के बारे में विस्तार पूर्वक बच्चों को समझाया। रिसोर्स पर्सन श्रीमती प्रगति सिंह ने बच्चों को हेलमेट ,प्रेस, सिलेंडर कुकर आदि के स्टैंडर्ड बनाना सिखाया और बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो भारत की राष्ट्रीय मानक संस्था है। यह उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और विश्वसनीय उत्पाद प्रदान करने का कार्य करती है।भारतीय मानक ब्यूरो मुख्य रूप से उत्पादों के प्रमाणीकरण (आई एस आई मार्क), सोने-चांदी की शुद्धता की जाँच (हॉलमार्किंग) और पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों के लिए मानक तय करती है, जिससे ग्राहकों का विश्वास बना रहे। 'भरोसा वही, जहाँ भारतीय मानक ब्यूरो का निशान सही!' सामान खरीदने से पहले हमेशा आ ई एस आई मार्क और बी आई एस हॉलमार्क जरूर देखें। सोना खरीदते वक्तः बीआईएस हॉलमार्क ही शुद्धता की असली पहचान है। इलेक्ट्रॉनिक सामान लेते वक्तः आई एस आई /सी आर एस मार्क सुनिश्चित करता है आपकी और आपके परिवार की सुरक्षा। उन्होंने छात्रों को स्कूल बैग का स्टैंडर्ड बनाने को दिया जिसमें प्रथम स्थान पर कक्षा 11 के दो छात्र सुमित्रा अभिनव रहे और द्वितीय स्थान पर कक्षा 12 के छात्र अंकुश और आयुष कुमार रहे और तृतीय स्थान पर कक्षा 11 के छात्र आशुतोष, रेहान रहे और कॉन्सुलेशन प्राइस में कक्षा 12 के छात्र भाविक ,गौरव रहे। इन सभी छात्रों को उपहार में कैश प्राइज व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया तथा सभी छात्रों को मोमेंटो दिये गये । कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने रिसोर्स पर्सन प्रगति सिंह को मोमेंट देकर सम्मानित किया और भारतीय मानक ब्यूरो की तरफ से कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल को मोमेंट देकर सम्मानित किया गया तथा रसायन विज्ञान प्रवक्ता व मेंटर राजीव वर्मा को भी मोमेंट देकर सम्मानित किया गया कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद अग्रवाल ने सभी छात्रों को और रिसोर्स पर्सन प्रगति सिंह ,बीआईएस-एसपीओ आयुष राज और बीआईएस टीम का धन्यवाद किया कि वह छात्रों को भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रमाणित उत्पादों के बारे में जागरूक कर रहे हैं तथा कोई शिकायत होने पर बी आई एस केयर ऐप में उसकी शिकायत कर सकते हैं और बच्चों को एक जूनियर साइंटिस्ट की तरफ ले जाने का भी बीआईएस द्वारा जो प्रयास चल रहा है उसके लिए भी धन्यवाद।

एनएच-9 पर रफ्तार का कहर, बाइक सवार दंपती की दर्दनाक मौत, हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में एनएच-9 पर रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दंपती की मौके पर ही मौत हो गई। छिजारसी कट के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दंपती गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर जा गिरे और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक ट्रक को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक को भी कब्जे में ले लिया है। पुलिस के अनुसार जिला बागपत निवासी आशीष (36) अपनी पत्नी नीलम (32) के साथ रविवार सुबह बाइक से दिल्ली से मेरठ की ओर जा रहे थे। बताया गया कि करीब 11 बजे दोनों एनएच-9 स्थित छिजारसी कट के पास पहुंचे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों बाइक से सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने तत्काल पुलिस को हादसे की सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही ट्रक चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो चुका था। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर उसके नंबर के आधार पर चालक और वाहन मालिक की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। वहीं, दंपती के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, जिससे फरार चालक की पहचान कर उसे जल्द पकड़ा जा सके। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि हादसे में बाइक सवार दंपती की मौत हुई है। दुर्घटना में शामिल ट्रक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। ट्रक के नंबर के आधार पर उसके मालिक और चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस की टीमें आरोपी चालक की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हैं।

‘मन की बात’ में इतिहास से लेकर युवा शक्ति तक, पीएम मोदी का संदेश गाजियाबाद तक पहुंचा

महानगर के 20 मंडलों में हुआ सामूहिक श्रवण, 2027 के लिए कार्यकताओं ने लिया संगठन मजबूत करने का संकल्प

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘मन की बात’ के 137वें संस्करण का रविवार को गाजियाबाद महानगर के सभी 20 मंडलों में सामूहिक श्रवण किया गया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रमों में भाजपा कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने प्रधानमंत्री के विचार सुने। साहिबाबाद के वसुंधरा मंडल स्थित बूथ संख्या-310 पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा और मयंक गोयल मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने भारत के इतिहास, युवाओं, तकनीक, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता और जनभागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने ‘भारतराज्य’ वेबसाइट को इतिहास समझने की अभिनव पहल बताया। पीएम ने ‘नशा मुक्त युवा-विकसित भारत’ अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भूपेंद्र चौधरी ने बूथ समिति के सदस्यों से संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा की। कार्यकर्ताओं ने 2027 में भाजपा सरकार की वापसी का संकल्प दोहराया।

राखी के दिन भाजपा विधायक को धमकी, घर में घुसकर मारने और बम से उड़ाने की धमकी, मुकदमा दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। रक्षा बंधन के दिन लोनी से भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर को धमकी भरी कॉल मिलने से हड़कंप मच गया। आरोप है कि अनजान कॉलर ने विधायक से फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए घर में घुसकर जान से मारने और बम से उड़ाने की धमकी दी। विधायक द्वारा फोन काटे जाने के बाद भी आरोपी ने कई बार कॉल की। मामले में विधायक के समर्थक ने लोनी थाने में शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। विधायक नंद किशोर गुर्जर ने बताया कि 28 अगस्त की दोपहर वह चिरौड़ी निवासी अनुराग के साथ बैठे हुए थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आई। कॉल रिसीव करने पर दूसरी तरफ मौजूद व्यक्ति ने उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि कॉलर ने विधायक को घर में घुसकर जान से मारने और बम से उड़ाने की धमकी दी। विधायक ने फोन काट दिया, लेकिन इसके बाद भी आरोपी लगातार कॉल करता रहा। नाम पूछने पर भी उसने अभद्रता और गाली-गलौज की। घटना के बाद लोनी थाना क्षेत्र के गांव निवासी अनुराग ने थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब जिस मोबाइल नंबर से विधायक को कॉल की गई थी, उसके आधार पर आरोपी की पहचान करने में जुटी है। विधायक का आरोप है कि धमकी देने वाले व्यक्ति के खिलाफ रंगदारी समेत कई आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस मामले की जांच के साथ आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जानकारी जुटा रही है। रक्षा बंधन के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता और भाजपा नेता नाजिया इलाही खान ने विधायक नंद किशोर गुर्जर को राखी बांधी। इस दौरान उन्होंने भाई-बहन के रिश्ते की भावना के साथ गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की। वहीं, धमकी के मामले में लोनी प्रभारी एसीपी अमरदीप मौर्य ने बताया कि विधायक समर्थक की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

आंगनबाड़ी की पहल से बदली गर्भवती सिमरन की सेहत, 6 किलो बढ़ा वजन

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। भोजपुर विकासखंड के कनकपुर गांव में आंगनबाड़ी कार्यकत्री उर्मिला के प्रयासों से गर्भवती महिला सिमरन के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। करीब चार माह की गर्भवती सिमरन का हीमोग्लोबिन लगभग 8 ग्राम और वजन 49 किलोग्राम था। जांच के बाद आंगनबाड़ी कार्यकत्री ने परिवार को संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच और गर्भावस्था में पर्याप्त आराम के प्रति जागरूक किया। परिवार को आयरन की गोली नियमित लेने और विटामिन-सी युक्त खाद्य पदार्थों को भोजन में शामिल करने की सलाह दी गई। गोद भराई कार्यक्रम के दौरान भी पोषण संबंधी जानकारी दी गई। लगातार निगरानी और परिवार के सहयोग से सिमरन का वजन बढ़कर 55 किलोग्राम हो गया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अन्य जांच भी संतोषजनक हैं, जबकि अंतिम हीमोग्लोबिन स्तर का सत्यापन किया जाना बाकी है। सिमरन ने बेहतर स्वास्थ्य के लिए मिले सहयोग पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार जताया।

यूजीसी रेगुलेशन-2026 के विरोध में क्षत्रिय करणी सेना का आंदोलन तेज, राज सिंह शेखावत आमरण अनशन पर

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। यूजीसी रेगुलेशन-2026 को लेकर क्षत्रिय करणी सेना का आंदोलन गाजियाबाद में और तेज हो गया है। करहेड़ा स्थित पृथ्वीराज चौहान मैदान में आयोजित महापंचायत के दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक राज सिंह शेखावत ने यूजीसी रेगुलेशन-2026 को रोलबैक करने की मांग को लेकर सरकार को अल्टीमेटम दिया।

महापंचायत के बाद ज्ञापन सौंपकर राज सिंह शेखावत अपने समर्थकों के साथ दिल्ली के जंतर-मंतर जाने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस द्वारा उन्हें आगे बढ़ने से रोके जाने के बाद उन्होंने करहेड़ा गांव के बाहर पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा के सामने आमरण अनशन शुरू कर दिया। सूचना पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और राज सिंह शेखावत को समझाकर आंदोलन समाप्त करने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने अनशन खत्म करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी एकमात्र मांग यूजीसी रेगुलेशन-2026 को रोलबैक करना है। जब तक सरकार इस संबंध में निर्णय नहीं लेती, तब तक वह धरने से नहीं हटेंगे। राज सिंह शेखावत ने कहा, ‘हमारी मांग यूजीसी रोलबैक की है। जब तक रोलबैक नहीं होता, हम न अन्न खाएंगे और न यहां से हटेंगे।’ फिलहाल पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा के सामने उनका आमरण अनशन जारी है और मौके पर पुलिस बल तैनात है। प्रशासन और आंदोलनकारियों के बीच आगे क्या समाधान निकलता है, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

दिल्ली से चोरी ब्रेजा लेकर घूम रहा था शातिर, गाजियाबाद पुलिस ने दबोचा

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। चार पहिया वाहन चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के खिलाफ गाजियाबाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। स्वाट टीम, अपराध शाखा और थाना लिंक रोड पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दिल्ली से चोरी की गई विटारा ब्रेजा कार बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, 29 अगस्त 2026 को कार्रवाई के दौरान राज उर्फ राजकुमार महतो पुत्र प्रदीप लाल महतो को थाना लिंक रोड क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से ग्रे रंग की विटारा ब्रेजा कार के साथ फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद हुई।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी का गिरोह गाजियाबाद, बिहार, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में चार पहिया वाहनों की चोरी और उनकी खरीद-फरोख्त करता था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों और पूर्व में की गई वारदातों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि गिरोह के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

लोनी में पुलिस मुठभेड़: छिनैती का आरोपी पैर में गोली लगने से घायल, तमंचा व 16 हजार नकद बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। लोनी थाना पुलिस और स्वाट टीम ग्रामीण जोन की संयुक्त टीम ने पुलिस मुठभेड़ के दौरान छिनैती की घटना में वांछित आरोपी को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, निठोरा अंडरपास के पास चेकिंग के दौरान बाइक सवार संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। बदमाशों ने भागने की कोशिश की, इसी दौरान बाइक फिसल गई। एक आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस की कार्रवाई में वह घायल हो गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मो. आसिफ (35) निवासी सुल्तान नगर, मुस्तफाबाद, लोनी के रूप में हुई। पूछताछ में उसने 23 अगस्त की रात मुस्तफाबाद में महिला से चेन छीनने की वारदात साथी दानिश के साथ करना स्वीकार किया। उसके कब्जे से तमंचा, कारतूस, चोरी की बाइक, 16 हजार रुपये और मुथूट फाइनेंस की पर्ची बरामद हुई।

मंडोला रोड पर दूध से भरा कैंटर पलटा, चालक केबिन में फंसा

वेलकम इंडिया संवाददाता

लोनी। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात दूध से भरा कैंटर अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद कैंटर के केबिन में चालक फंस गया। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने चालक को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे में चालक के पैरों में चोट आई है। कैंटर में मौजूद हेल्पर और मालिक सुरक्षित हैं। पुलिस ने क्रेन की मदद से कैंटर को सड़क से हटाकर यातायात सुचारू कराया। अशोक विहार कॉलोनी निवासी अश्विन कुमार कैंटर से दूध सप्लाई का काम करते हैं। लाल बाग कॉलोनी निवासी यश कैंटर चालक हैं, जबकि फरुर्खाबाद निवासी धर्मेंद्र हेल्पर है। अश्विन के अनुसार शनिवार को वह चालक यश और हेल्पर धर्मेंद्र के साथ बागपत के खेकड़ा स्थित अमूल प्लांट से कैंटर में दूध लेकर लौट रहे थे। मंडोला रोड पर पहुंचने के दौरान कैंटर अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क पर पलट गया। कैंटर पलटने के बाद चालक यश केबिन में फंस गया। मौके से गुजर रहे राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

वार्ड 72 में मातृ शक्ति ने सेवा भारती की बेटियों कोरक्षाबंधन पर दिया अपना आशीर्वाद : वरुण शर्मा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वार्ड 72 की मातृशक्ति ने युवा भाजपा कार्यकर्ता और प्रसिद्ध समाजसेवी वरुण शर्मा द्वारा सेवा भारती के साथ मिलकर रक्षाबंधन के पर्व पर आयोजित मेहंदी लगाने के कैंप में बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराकर और मेहंदी लगवाकर अपने समाज की बेटियों को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर वरुण शर्मा ने आर्थिक रूप से कमजोर 11 बहनो को निशुल्क मेहंदी लगवाई जिसे वार्ड के निवासियों ने बेहद सराहा.

वरुण शर्मा का कहना है कि वह पिछले कई सालों से प्रमुख हिंदू त्योहारों पर मातृशक्ति के लिए सेवा भारती के साथ मिलकर ऐसे आयोजन करते रहते हैं जिसका मूल उद्देश्य है कि अपने हिंदू समाज की बेटियों को सशक्त बनाना। इन कार्यक्रमों से न केवल हिंदू समाज की बहन बेटियां सशक्त और आत्मनिर्भर बनती हैं बल्कि हिंदू त्योहारों में विधर्मियों की घुसपैठ भी कम होती है। वरुण शर्मा जन जन तक इस संदेश को पहुंचाने की मुहिम में लगे हैं कि हिन्दू त्योहारों पर हिंदू समाज से ही खरीदारी की जाए और उन्हें ही काम का अवसर दिया जाए।

इस आयोजन में शिवम मित्तल, डॉ आचार्य कृति शर्मा, सौम्या राय और अशोक परवाल ने बड़ी भूमिका निभाई। वार्ड 72 की मातृशक्ति ने वरुण शर्मा के प्रयास और सेवा भारती के बच्चों के कौशल को भूरि भूरि प्रशंसा की और उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया

मन की बात में गूंजा नंदग्राम की बबीता का संघर्ष, पीएम मोदी ने बताया महिला सशक्तिकरण की मिसाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में नंदग्राम की बबीता के संघर्ष और सफलता की कहानी साझा की। उन्होंने बबीता को महिला सशक्तिकरण और सरकारी योजनाओं के जरिए आत्मनिर्भर बनने का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बबीता ने हिम्मत नहीं हारी और छोटे स्तर से शुरू किए कारोबार को धीरे-धीरे आगे बढ़ाया। आज वह खुद आत्मनिर्भर होने के साथ करीब 100 अन्य लोगों को भी अपना छोटा कारोबार शुरू करने के लिए प्रेरित और मदद कर चुकी हैं। कोरोना महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन का असर बबीता के कारोबार पर भी पड़ा था। काम बंद होने से परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया। आर्थिक तंगी के कारण पहले चल रहा पूजा सामग्री का कारोबार भी बंद करना पड़ा। हालात मुश्किल होने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। वर्ष 2022 में 10 हजार रुपये का लोन लेकर नंदग्राम टैंपो स्टैंड के पास दोबारा पूजा सामग्री की दुकान शुरू की। इसके बाद जरूरत के मुताबिक उन्होंने आगे भी लोन लेकर कारोबार का विस्तार किया। बबीता तीन बेटों की मां हैं। उनके बड़े बेटे विनय शर्मा की उम्र 26 वर्ष और दूसरे बेटे राहुल शर्मा की उम्र 25 वर्ष है, जबकि सबसे छोटे बेटे ने हाल ही में दसवीं की परीक्षा पास की है। पति से अलग रहकर बबीता ने परिवार की जिम्मेदारी संभाली। आर्थिक और पारिवारिक चुनौतियों के बीच उन्होंने अपने कारोबार को सहारा बनाया और मेहनत के दम पर परिवार का भरण-पोषण किया।

घर से चोरी हुआ बैग और कार्यालय की मुहर बरामद, कौशांबी पुलिस ने आरोपी दबोचा

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना कौशांबी पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किया गया काला बैग, कार्यालय की मुहर और काले रंग के ईयरबड्स बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 29 अगस्त को एक महिला ने थाने में शिकायत दी थी कि अज्ञात चोर उसके घर से कार्यालय की मुहर, काला बैग और मोबाइल के ईयरबड्स चोरी कर ले गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने धारा 305(ए) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। 30 अगस्त को पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर आनंद विहार बॉर्डर के पास से आरोपी मुन्ना पुत्र बंधन महतो (27) को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी मूल रूप से गुमला, झारखंड का रहने वाला है और वर्तमान में गुरुग्राम में रह रहा था। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस बढ़ाई गई है।

वाहन चोरों पर पुलिस का शिकंजा, दो गिरफ्तार

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की दो बाइक बरामद की हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है। प्रभारी सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि पुलिस ने शनिवार को वाहन चोरी के आरोपी सचिन भड़ाना को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से चोरी की एक बाइक बरामद हुई। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर वाहन चोरी से जुड़े अन्य मामलों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने दूसरे आरोपी विकास कुमार उर्फ बल्लू उर्फ बबलू को भी चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया।